माँ शाकुम्भरीविश्वविद्यालयः, सहारनपुरम्

MAA SHAKUMBHARI UNIVERSITY, SAHARANPUR

संस्कृतभाषायां चतुर्वर्षीयः मानद-सहितः/मानद-शोधसहितः

स्नातक-पाठ्यक्रमः

FYUGPAs per the Guidelines of U.P. Government according to National Education Policy (NEP)-2020 w.e.f. Session 2024-25

B.A. SANSKRIT Honours/Honours with Research (FYUGP)
(Four Years Under Graduate Programme)

कलाविद्यापीठम् (संस्कृतम्)

कृते

संस्कृतविभागः, माँ शाकुम्भरीविश्वविद्यालयः, सहारनपुरम्

सम्बद्धमहाविद्यालयाश्च,

माँ शकुम्भरीविश्वविद्यालयः, सहारनपुरम्

For

School of Arts- SANSKRIT

Maa Shakumbhari University, Saharanpur

Department of Sanskrit & Affiliated Colleges,

Maa Shakumbhari University, Saharanpur

पाठ्यक्रम समिति द्वारा संशोधित, परिवर्धित एवम् अनुमोदित पाठ्यक्रम

शैक्षणिक सत्र 2024-2025 एवम् आगे के वर्षों के लिए।

पाठ्यक्रम-समितिः (संस्कृतम्)

S.No.	Name	Designation	Department	College/ University	Signature
1.	प्रो. वन्दनारुहेला (समन्वयिका)	प्रोफेसर	संस्कृतविभागः	जे० वी० जैन कॉलेज, सहारनपुर	01/09/2025
2.	प्रो. विजयलक्ष्मीः	प्रोफेसर	संस्कृतविभागः	एस० डी० कॉलेज, मुजफ्फरनगर	01. 09. 2025
3.	प्रो. सोमदेवशतांशुः (बाह्यविशेषज्ञः)	प्रोफेसर	संस्कृतविभागः	गुरुकुलकाङ्गड़ीसमविश्वविद्यालयः, हरिद्वारम्	online
4.	प्रो. संगीताविद्यालंकारः (बाह्यविशेषज्ञा)	प्रोफेसर	संस्कृतविभागः	गुरुकुलकाङ्गड़ीसमविश्वविद्यालयः, हरिद्वारम्	

विषय-संस्कृत (स्नातक स्तर)

Programme Outcomes (POs)

- ❖ विद्यार्थियों को लेखन, वाचन एवं अध्ययन की दृष्टि से भाषागत दक्षता प्राप्त होगी।
- ❖ सहज एवं स्वाभाविक रूप से भाषागत पारंगता प्राप्त कर उनमें प्रभावशाली अभिव्यक्ति की क्षमता उत्पन्न होगी।
- ❖ आत्मविश्वास से युक्त एवं नेतृत्त्व क्षमता के धारक होंगे।
- ❖ नैतिक एवं चारित्रिक दृष्टि से मूल्यवान व्यक्तित्त्वधारी होकर भारतीयता के बोध के साथ वैश्विक - नागरिक के रूप में भावी चुनौतियों का सामना करने में सक्षम होंगे।

Programme Specific Outcomes (PSOs)

FYUGP – B.A. SANSKRIT -

- ❖ सर्वाधिक वैज्ञानिक भाषा के रूप में संस्कृतभाषा के प्राचीन महत्त्व एवं उसकी वर्तमान प्रासंगिकता को जानने- समझने योग्य होंगे।
- ❖ संस्कृत-साहित्य की विभिन्न विधाओं (गद्य, पद्य, नाटक, व्याकरण इत्यादि) से सुपरिचित होकर संस्कृत-मर्मज्ञ बन सकेंगे।
- ❖ संस्कृत-व्याकरण के विभिन्न अंगों के ज्ञान द्वारा भाषा के शुद्ध-अध्ययन, लेखन एवं उच्चारण- माध्यम से अभिव्यक्ति कौशल का विकास होगा।
- ❖ आयुर्वेद, वास्तुशास्त्र, ज्योतिष, नित्यनैमित्तिक कर्मकांड इत्यादि के माध्यम से जीविकोपार्जन के योग्य बनेंगे।
- ❖ वैदिक एवं लौकिक संस्कृत-साहित्य की समृद्धता एवं तन्निहित- नैतिकता व आध्यात्मिकता को अनुभूत कर भारतीय संस्कृति के महत्त्व को वैश्विकस्तर तक पहुंचाने में सक्षम होंगे।
- ❖ धर्म-दर्शन, आचार-व्यवहार, नीतिशास्त्र एवं भारतीयसंस्कृति के मूलतत्त्वों को जानकर उत्तम चरित्रवान्-मानव एवं कुशल-नागरिक बनेंगे।
- ❖ समसामयिक-समस्याओं के समाधान के रूप में संस्कृत-साहित्य में निबद्ध सर्वांगीणता के प्रति शोधपरक-दृष्टि का विकास होगा।

MAA SHAKUMBHARI UNIVERSITY, SAHARANPUR

B.A. SANSKRIT HONOURS/HONOURS WITH RESEARCH, FOURTH YEAR

FYUGP

(Four Years Under Graduate Programme)

Year	Semester	COURSE CODE (M.S.U.)	TITLE of PAPER	Theory/ Practical	CREDIT
स्नातक प्रथम वर्ष	प्रथम	0110201	संस्कृत-पद्य साहित्य एवं व्याकरण	Theory	6
	द्वितीय	0210201	संस्कृत-गद्य साहित्य, अनुवाद एवं सङ्गणक अनुप्रयोग	Theory	6
स्नातक द्वितीय वर्ष	तृतीय	0310201	संस्कृत-नाटक एवं व्याकरण	Theory	6
	चतुर्थ	0410201	काव्यशास्त्र एवं संस्कृत लेखन कौशल	Theory	6
	चतुर्थ	0410265	संस्कृत परियोजना	Theory	3
स्नातक तृतीय वर्ष	पञ्चम	0510201	वैदिक वाङ्मय एवं भारतीय-दर्शन	Theory	5
	पञ्चम	0510202	व्याकरण एवं भाषा-विज्ञान	Theory	5
	षष्ठ	0610201	आधुनिक संस्कृत-साहित्य	Theory	5
	षष्ठ	0610202	योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा	Theory	5
	षष्ठ	0610203	आयुर्वेद एवं स्वास्थ्य विज्ञान	Theory	5
	षष्ठ	0610204	भारतीय वास्तुशास्त्र	Theory	5
	षष्ठ	0610205	ज्योतिषशास्त्र के मूलभूत सिद्धान्त	Theory	5
	षष्ठ	0610206	नित्यनैमित्तिक अनुष्ठान	Theory	5
निम्नलिखित में से कोई एक					
स्नातक तृतीय वर्ष (वैकल्पिक)	षष्ठ	0610202	योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा	Theory	5
	षष्ठ	0610203	आयुर्वेद एवं स्वास्थ्य विज्ञान	Theory	5
	षष्ठ	0610204	भारतीय वास्तुशास्त्र	Theory	5
	षष्ठ	0610205	ज्योतिषशास्त्र के मूलभूत सिद्धान्त	Theory	5
	षष्ठ	0610206	नित्यनैमित्तिक अनुष्ठान	Theory	5

B.A. SANSKRIT HONOURS, FOURTH YEAR

(FYUGP)

(Four Years Under Graduate Programme)

वर्ष	सेमेस्टर	पाठ्यक्रम कोड	अनिवार्य/चयनात्मक	प्रश्नपत्र-शीर्षक	लिखित/ प्रयोगात्मक	क्रेडिट	आन्त० परीक्षा अङ्क	बाह्यपरीक्षा अङ्क (न्यूनतम अङ्क)	कुल अङ्क	न्यूनतम-अङ्क (आन्त० तथा बाह्य)	शैक्षिक कालांश लिखित+ट्यूटोरियल	
B.A. Sanskrit Honors with Research Fourth Year (FYUGP)	सप्तम सेमस्टर	0710221	अनिवार्यम्	वेद-उपनिषद्विरुक्तञ्च	लिखित	4	25	75(25)	100	40	4x15=60	-
		0710222	अनिवार्यम्	गद्यकाव्यं गीतिकाव्यं चम्पूकाव्यञ्च	लिखित	4	25	75(25)	100	40	4x15=60	-
		0710223	अनिवार्यम्	भारतीयदर्शनम् (न्यायः वैशेषिकं, साङ्ख्यञ्च)	लिखित	4	25	75(25)	100	40	4x15=60	-
		0710224	अनिवार्यम्	शोधप्रविधिः	लिखित	4	25	75(25)	100	40	4x15=60	-
		0710225	अनिवार्यम्	प्राकृतसाहित्यं व्याकरणञ्च	लिखित	4	25	100	100	40	4x15=60	-

	अष्टम सेमस्टर	0810201	अनिवार्यम्	संस्कृतमहाकाव्यम्	लिखित	4	25	75¼25½	100	40	4x15=60	-
		0810202	अनिवार्यम्	संस्कृतकाव्यशास्त्रम्	लिखित	4	25	75(25)	100	40	4x15=60	-
		0810203	अनिवार्यम्	व्याकरणनिबन्धानुवादश्च	लिखित	4	25	75(25)	100	40	4x15=60	-
		0810204	अनिवार्यम्	पालिसाहित्यव्याकरणञ्च	लिखित	4	25	75(25)	100	40	4x15=60	-
			अनिवार्यम्	वैकल्पिकप्रश्नपत्राणि (निम्नलिखितेष्वेकम्)								
		0810205		(क) योगः प्राकृतिक-चिकित्सा च	लिखित	4	25	75(25)	100	40	4x15=60	-
		0810206		(ख) आयुर्वेदः स्वास्थ्यविज्ञानञ्च	लिखित	4	25	75(25)	100	40	4x15=60	-
		0810207		(ग) आधुनिकं संस्कृत- साहित्यं नवप्रवृत्तयश्च	लिखित	4	25	75(25)	100	40	4x15=60	-

B.A. Sanskrit Honours with Research Fourth Year

- केवल ऐसे विद्यार्थियों के लिये जिन्होंने प्रथम 06 सेमेस्टर (स्नातक त्रिवर्षीय) में न्यूनतम 75 प्रतिशत अङ्क प्राप्त किये हैं।

वर्ष	सेमेस्टर	पाठ्यक्रम कोड	अनिवार्य/ चयनात्मक	प्रश्नपत्र-शीर्षक	लिखित/ प्रयोगात्मक/ परियोजना	क्रेडिट	आन्तरिक परीक्षा अङ्क	बाह्यपरीक्षा अङ्क (न्यूनतम अङ्क)	कुल अङ्क	न्यूनतम -अङ्क (आन्त० तथा बाह्य)	शैक्षिक कालांश लिखित+ट्यूटोरियल	
B.A. Sanskrit Honors with Research Fourth Year	सप्तम सेमेस्टर	0710221	अनिवार्य	वेद-उपनिषद्, निरुक्त	लिखित	4	25	75(25)	100	40	4x15=60	-
		0710222	अनिवार्य	गद्यकाव्य गीतिकाव्य चम्पूकाव्य	लिखित	4	25	75(25)	100	40	4x15=60	-
		0710233	अनिवार्य	भारतीयदर्शन (न्याय वैशेषिक एवं साङ्ख्य)	लिखित	4	25	75(25)	100	40	4x15=60	-
		0710244	अनिवार्य	शोधप्रविधि	लिखित	4	25	75(25)	100	40	4x15=60	-
		0710265	अनिवार्य	परियोजनात्मक कार्य/सर्वेक्षण/ आधारभूतसामग्री-संग्रहण/पुस्तकसमीक्षा	लिखित	4	25	100	100	40	4x15=60	-

B.A. Sanskrit Honors with Research Fourth Year	अष्टम सेमस्टर	0810201	अनिवार्य	संस्कृतमहाकाव्यम्	लिखित	4	25	75(25)	100	40	4x15=60	-
		0810202	अनिवार्य	संस्कृतकाव्यशास्त्रम्	लिखित	4	25	75(25)	100	40	4x15=60	-
		0810203	अनिवार्य	व्याकरणनिबन्धानुवादश्च	लिखित	4	25	75(25)	100	40	4x15=60	-
			अनिवार्य	वैकल्पिकप्रश्नपत्राणि (निम्नलिखितेष्वेकम्)								
		0810205		(क) योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा	लिखित	4	25	75(25)	100	40	4x15=60	-
		0810206		(ख) आयुर्वेद स्वास्थ्य विज्ञानञ्च	लिखित	4	25	75(25)	100	40	4x15=60	-
		0810207		(ग) आधुनिक संस्कृत साहित्य एवं नवप्रवृत्तियाँ	लिखित	4	25	75(25)	100	40	4x15=60	- -
		0810265		बृहद्-शोधपरियोजना (सप्तम सत्र के पञ्चम प्रश्नपत्र मे कृत कार्य का अनुवर्तन)	प्रयोगात्मक	4	25	100	100	40	4x15=60	-

स्नातक व्यावसायिक पाठ्यक्रम तथा कौशलविकास पाठ्यक्रम								
1.	B.A.		**व्यावसायिक पाठ्यक्रम**	योग, आयुर्वेद, वर्णोच्चारणशिक्षा एवं सूक्तियाँ (सामान्य परिचयात्मक)				
2.	B.A.		**कौशलविकास पाठ्यक्रम**	संस्कृतसम्भाषणम् (Spoken Sanskrit)				

Programme/Class : **Certificate** कार्यक्रम/वर्ग - **सर्टिफिकेट**	Year : **First** वर्ष - **प्रथम**	Semester : **I** सेमेस्टर - **प्रथम**
विषय - संस्कृत		
प्रश्नपत्र कोड - 0110201	प्रश्नपत्र शीर्षक - **संस्कृत-पद्य साहित्य एवं व्याकरण**	**Theory**

Course outcomes :

अधिगम उपलब्धियाँ -

1. विद्यार्थी संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय प्राप्त कर काव्य के विभिन्न भेदों से परिचित हो सकेंगे।
2. वह संस्कृत पद्य साहित्य की सुगीतात्मकता का सौंदर्यबोध कर सकेंगे।
3. उनमें काव्य में प्रयुक्त रस, छंद, अलङ्कारों को समझने की क्षमता विकसित होगी।
4. पद्य में निहित सूक्तियों एवं सुभाषित वाक्यों के माध्यम से उनके नैतिक एवं चारित्रिक उन्नयन होगा।
5. विद्यार्थियों के शब्दकोश में वृद्धि होने के साथ-साथ वह संस्कृत श्लोकों के शुद्ध और सस्वर-उच्चारण के कौशल में निपुण बनेंगे।
6. संस्कृत-व्याकरण का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर उसकी वैज्ञानिकता से सुपरिचित हो सकेंगे।
7. संस्कृत वर्णों के शुद्ध उच्चारण-कौशल का विकास होगा।
8. स्वर एवं व्यंजन के मूल-भेद को समझ कर पृथक अर्थावगमन की क्षमता उत्पन्न होगी।
9. स्वर, व्यंजन एवं विसर्ग संधि का विशिष्ट ज्ञान एवं उनके अनुप्रयोग का कौशल विकसित होगा।

Credits: 6	**Core Compulsory**
Max. Marks: 25+75	**Min. Passing Marks: 33**

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week) : L-T-P: 6-0-0

Unit इकाई	Topics पाठ्य-विषय	No. of Lect. व्याख्यान-सङ्ख्या
	प्रथम-भाग (PART-1)	
I.	**क** - संस्कृत-वाङ्मय में पारम्परिक ज्ञान-विज्ञान एवं राष्ट्रगौरव, भारतीय दर्शन, भूगोल एवं खगोल, गणित, ज्योतिष तथा वास्तु, योग, आयुर्वेद, अर्थशास्त्र, विज्ञान, संगीत इत्यादि का सामान्य परिचय **ख** - संस्कृत काव्य एवं व्याकरण का सामान्य परिचय **प्रमुख कवि एवं वैयाकरण आचार्य** - वाल्मीकि, वेदव्यास, भारवि, कालिदास, माघ, श्रीहर्ष, पाणिनि, कात्यायन, पतञ्जलि	4 8
II.	**रघुवंशम्** - प्रथमः सर्गः (श्लोक सं० 1 से 50) (व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न)	11
III.	**कुमारसम्भवम्** - पंचमः सर्गः (व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न)	12

IV.	**नीतिशतकम्** (श्लोक सङ्ख्या 1 से 25) (अर्थ एवं मूल्यपरक प्रश्न)	**10**

द्वितीय भाग (PART - 2)

V.	**संज्ञा-प्रकरणम्** (लघु-सिद्धान्त-कौमुदी)	**12**
VI.	**अच्सन्धिः** (सूत्र-व्याख्या एवं सूत्र निर्देश - पूर्वक सन्धि एवं सन्धि-विग्रह)	**12**
VII.	**हल्सन्धिः** (सूत्र-व्याख्या एवं सूत्र निर्देश - पूर्वक सन्धि एवं सन्धि-विग्रह)	**11**
VIII.	**विसर्गसन्धिः** (सूत्र-व्याख्या एवं सूत्र निर्देश-पूर्वक सन्धि एवं सन्धि-विग्रह)	**10**

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:
सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)

Suggested Readings:

संस्तुत ग्रन्थ -

1. कुमारसम्भवम् - पंचमः सर्गः, हिन्दीसंस्कृतटीकासहितम्, डॉ राजेश्वर शास्त्री मुसलगांवकर
2. कुमारसम्भवम् - पंचमः सर्गः, हिन्दीसंस्कृतटीकासहितम्, आचार्य शेषराजशर्मा 'रेग्मीः', दिल्ली।
3. कुमारसम्भवम् - पंचमः सर्गः, सारस्वतम् पब्लिकेशन website www.saraswatam.com https://saraswatam.com/stgapi/public/uploads/category/pdf/1614872059859KUMARSAMBHAV%205%20SARG%207.02.pdf
4. कुमारसम्भवम् - पंचमः सर्गः, डॉ शिवबालक द्विवेदी
5. रघुवंशम्, हिन्दी-संस्कृत टीका सहितम्, आचार्य शेषराज शर्मा 'रेग्मी', चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
6. रघुवंशम् (प्रथम सर्ग), व्याख्याकार - महावीर शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ।
7. नीतिशतकम्, भर्तृहरि, (व्या०) सावित्री गुप्ता, विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली, 2008।
8. नीतिशतकम्, भर्तृहरि, (व्या०) राकेश शास्त्री, परिमल पब्लिकेशन, दिल्ली, 2003।
9. संस्कृत साहित्य का इतिहास, डॉ बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
10. संस्कृतसाहित्य का इतिहास उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', चौखम्बाभारती अकादमी, वाराणसी, 2012।
11. संस्कृत साहित्य का इतिहास, वाचस्पति गैरोला, चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी, पंचम संस्करण, 1997।
12. लघुसिद्धान्तकौमुदी, वरदराज, भैमी व्याख्या, भीमसेन शास्त्री (1-6 भाग), भैमी प्रकाशन, दिल्ली 1993।
13. लघुसिद्धान्तकौमुदी, गोविंद प्रसाद शर्मा एवं आचार्य रघुनाथ शास्त्री, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन।
14. लघुसिद्धान्तकौमुदी, डॉ उमेश चंद्र पांडे, चौखम्बा प्रकाशन।
15. लघुसिद्धान्तकौमुदी (संज्ञा-सन्धि-प्रकरण), डॉ वेदपाल, साहित्य भंडार, मेरठ।
16. लघुसिद्धान्तकौमुदी, डॉ रामकृष्ण आचार्य, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।

17. लघुसिद्धान्तकौमुदी, डा. सत्यपाल सिंह, शिवालिक प्रकाशन, शक्तिनगर दिल्ली।

18. रचनानुवादकौमुदी, डा. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

Suggested Continuous Evaluation Methods:

प्रस्तावित सतत-मूल्याङ्कन-

(क) लिखित परीक्षा 15 अङ्क

(ख) पाठ्यक्रम में निर्धारित ग्रंथों पर आधारित अधिन्यास (असाइनमेंट) 10 अङ्क

अथवा

संस्कृत श्लोकों के शुद्ध उच्चारण की प्रायोगिक/मौखिक परीक्षा

अथवा

माहेश्वर सूत्र एवं प्रत्याहार-निर्माण एवं मौखिकी

Course prerequisites: सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)

Suggested equivalent online courses:

E- learning in Sanskritam - sanskritfromhome@vyomalabs.in

1. https://www.sanskritfromhome.org/course-listing
2. https://unacademy.com/goal/language/UJSBP/free-platform/sanskrit/XMJIB
3. https://unacademy.com/a/teacher-eligibility-test-tet/ctet-paper-1/10-best-classes-in-sanskrit.html

Further Suggestions: .....

Programme/class **Certificate** कार्यक्रम/वर्ग- **सर्टिफिकेट**	Year : **First** वर्ष - **प्रथम**	Semester : **II** सेमेस्टर – **द्वितीय**
विषय – **संस्कृत**		
प्रश्नपत्रकोड - 0210201	प्रश्नपत्र शीर्षक - **संस्कृत-गद्य साहित्य, अनुवाद एवं सङ्गणक-अनुप्रयोग**	**Theory**

Course outcomes :

अधिगम उपलब्धियाँ -

1. विद्यार्थी संस्कृत-गद्य साहित्य का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर, गद्य-काव्य के भेदों सुपरिचित हो सकेंगे।
2. सम्बन्धित साहित्य के माध्यम से उनका नैतिक एवं चारित्रिक उत्कर्ष होगा।
3. राष्ट्रभक्ति की भावना प्रबल होगी तथा उत्तम नागरिक बनेंगे।
4. अनुवाद - कौशल में वृद्धि होगी।
5. संस्कृत गद्य के धाराप्रवाह एवं शुद्ध-वाचन का कौशल विकसित होगा।
6. विद्यार्थी सङ्गणक का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर, अधिगम-क्षमता में वृद्धि हेतु इसका उपयोग कर सकने में सक्षम होंगे।
7. E-content एवं डिजिटल लाइब्रेरी का उपभोग कर पाने में समर्थ होंगे।
8. संस्कृतभाषा और साहित्य के नित-नूतन अन्वेषण को खोज पाने तथा उससे स्व-ज्ञानकोष में वृद्धि कर पाने योग्य होंगे।
9. सङ्गणक के प्रयोग के माध्यम से संस्कृत - ज्ञान के प्रचार-प्रसार एवं आदान-प्रदान करने में कुशल बनेंगे।
10. पारम्परिक एवं वैश्विक ज्ञान में सामंजस्य बनाकर ज्ञान की अभिवृद्धि करने एवं जीविकोपार्जन के नए मार्ग खोजने का कौशल विकसित होगा।

Credits: 6	**Core Compulsory**
Max. Marks: 25+75	**Min. Passing Marks : 33**

Total No. of Lectures - Tutorials- Practical (in hours per week): L-T-P : 6-0-0.

Unit	Topics	No. of Lectures व्याख्यान-सङ्ख्या
	प्रथम-भाग (PART - 1)	
I.	**गद्य-साहित्य का उद्भव एवं विकास** **प्रमुख- साहित्यकार** - बाणभट्ट, दण्डी, सुबन्धु, अम्बिकादत्त व्यास, पण्डिता क्षमाराव।	11
II.	**शुकनासोपदेशः** (व्याख्या)।	12

III.	शिवराजविजयम्-प्रथम निश्वास (व्याख्या)।	12
IV.	उपर्युक्त दोनों ग्रन्थों से सम्बन्धित समीक्षात्मक प्रश्न।	10
	द्वितीय भाग Part - 2	
V.	अनुवाद - हिन्दी से संस्कृत में (नियम निर्देश-पूर्वक)। (कारक एवं विभक्ति का ज्ञान अपेक्षित)	12
VI.	अनुवाद - संस्कृत (अपठित) से हिन्दी अथवा अंग्रेजी में ।	11
VII.	कंप्यूटर का सामान्य परिचय, संस्कृत की दृष्टि से कंप्यूटर की उपयोगिता, विभिन्न सॉफ्टवेयर। कंप्यूटर में संस्कृत-हिन्दी-लेखन हेतु उपयोगी टूल्स - यूनिकोड, गूगल इनपुट टूल, गूगल असिस्टेंट एवं वॉइस टाइपिंग आदि ।	12
VIII.	इंटरनेट का प्रयोग एवं वेब-सर्च, ई-टेक्स्ट, ई-बुक्स, ई-रिसर्च जनरल, ई-मैग्जीन, डिजिटल-लाइब्रेरी। ऑनलाइन टीचिंग लर्निंग प्लेटफॉर्म - जूम, टीम, मीट, वेब-एक्स। ऑनलाइन लर्निंग एवं रिसर्च प्लेटफार्म स्वयं, मूक, ई-पाठशाला, डेलनेट, इनफ्लाइब्नेट, शोधगंगा, गूगल स्कॉलर आदि।	10

Suggested Readings:-

संस्तुत ग्रन्थाः

1. शुकनासोपदेशः, बाणभट्ट, संपा. चंद्रशेखर द्विवेदी, महालक्ष्मीप्रकाशन, आगरा, I संस्करण 1986-87।
2. शुकनासोपदेशः, रामनाथ शर्मा 'सुमन', साहित्य भंडार, मेरठ।
3. शुकनासोपदेशः, डॉ महेश कुमार श्रीवास्तव, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
4. शुकनासोपदेशः, (कादम्बरी), डॉ उमेशचंद्र पांडे, प्राच्य भारतीय संस्थान, गोरखपुर।
5. शिवराजविजयम्, अंबिकादत्त व्यास, संपा. शिवकरण शास्त्री महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा।
6. शिवराजविजयम्, डॉ रमाशंकर मिश्र, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
7. शिवराजविजयम्, डॉ महेश कुमार श्रीवास्तव, विश्वविद्यालय प्रकाशन।
8. शिवराजविजयम्, डॉ देव नारायण मिश्र, साहित्य भण्डार, मेरठ।
9. संस्कृत साहित्य का इतिहास, बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
10. साहित्य का संक्षिप्त इतिहास, डॉ उमेश चंद्र पांडे, प्राच्य भारतीय संस्थान, गोरखपुर।
11. संस्कृतसाहित्य का इतिहास उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', चौखम्बाभारती अकादमी, वाराणसी, 2012।
12. संस्कृतसाहित्य का इतिहास, वाचस्पति गैरोला, चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी, पंचम संस्करण 1997।

13. संस्कृत-व्याकरण एवं अनुवाद कला, ललित कुमार मंडल, प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली 2007।

14. अनुवाद-चंद्रिका, डॉ यदुनंदन मिश्र, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।

15. अनुवाद - चंद्रिका, ब्रह्मानंद त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।

16. अनुवाद- चंद्रिका, चक्रधर हंस नौटियाल, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 1999।

17. संस्कृत-रचना, वी० एस० आप्टे, (अनु०) उमेशचंद्र पांडेय, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 2008।

18. रचनानुवादकौमुदी, डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2011।

19. कंप्यूटर का परिचय, गौरव अग्रवाल, शिवा प्रकाशन, इंदौर।

20. कंप्यूटर फंडामेंटल, पी. के सिन्हा, बी.पी.बी पब्लिकेशन, नई दिल्ली।

21. इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी, सुमिता अरोरा, धनपत राय पब्लिकेशन, नई दिल्ली।

22. व्यावहारिक संस्कृत -प्रशिक्षक
https://bharatavani.in/bharatavani/home/book?id=%E0%A4%B5%E0%A5%8D%E0%A4%AF%E0%A4%BE%E0%A4%B5%E0%A4%B9%E0%A4%BE%E0%A4%B0%E0%A4%BF%E0%A4%95%20%E0%A4%B8%E0%A4%82%E0%A4%B8%E0%A5%8D%E0%A4%95%E0%A5%83%E0%A4%A4%20%E0%A4%AA%E0%A5%8D%E0%A4%B0%E0%A4%B6%E0%A4%BF%E0%A4%95%E0%A5%8D%E0%A4%B7%E0%A4%95%20%7C%20Vyavaharik%20Sanskrit%20Prashichhak%EF%BB%BFa

23. https://www.careers360.com/university/indian-institute-of-technology-kharagpur/advanced-level-of-spoken-sanskrit-certification-course

This course can be opted as an elective by the students of following subjects: सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL).....

Suggested Continuous Evaluation Methods:

प्रस्तावित सतत-मूल्याङ्कन-

(क) लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ लघु-उत्तरीय) **15** अङ्क

(ख) पाठ्यक्रम में निर्धारित ग्रंथों पर आधारित अधिन्यास (असाइनमेंट) एवं मौखिकी **10** अङ्क

अथवा

संस्कृत-सम्भाषण

अथवा

सङ्गणक - प्रायोगिक परीक्षा

Course prerequisites :- सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL).....

Suggested equivalent online courses: E- learning in Sanskritam - sanskritfromhome@vyomalabs.in

1. https://www.sanskritfromhome.org/course-listing
2. https://unacademy.com/goal/language/UJSBP/free-platform/sanskrit/XMJIB
3. https://unacademy.com/a/teacher-eligibility-test-tet/ctet-paper-1/10-best-classes-in-sanskrit.html

Further Suggestions: .....

Programme/class Certificate कार्यक्रम/वर्ग- सर्टिफिकेट	Year : Second वर्ष - द्वितीय	Semester : III सेमेस्टर - तृतीय
विषय – संस्कृत		
प्रश्नपत्रकोड - **0310201**	प्रश्नपत्र शीर्षक – संस्कृत-नाटक एवं व्याकरण	Thorey

Course outcomes :

अधिगम उपलब्धियाँ -

1. संस्कृत-नाट्य-साहित्य को सामान्य रूप से समझ सकने में सक्षम होंगे।
2. नाटक की पारिभाषिक शब्दावली से सुपरिचित होंगे।
3. नाटक में प्रयुक्त रस, छन्द एवं अलङ्कारों का सम्यक् बोध कर सकेंगे।
4. संवाद एवं अभिनय कौशल में पारङ्गत होंगे।
5. नवीन-पदों के ज्ञान द्वारा उनके शब्दकोश में वृद्धि होगी।
6. भारतीय सांस्कृतिक-तत्त्वों एवं मूल्यों को आत्मसात् कर, भारतीयता के गर्वबोध से युक्त उत्तम नागरिक बनेंगे।
7. व्याकरण-परक शब्दों की सिद्धि प्रक्रिया से परिचित हो सकेंगे।
8. व्याकरण-शास्त्र के ज्ञान के माध्यम से शुद्ध वाक्य-विन्यास कौशल का विकास हो सकेगा।

Credits : 6	Core Compulsory
Max. Marks : 25+75	Min. Passing Marks : 33

Total No. of Lectures- Tutorials - Practical (in hours per week) : L-T-P: 6-0-0

Unit	Topics	No. of Lectures व्याख्यान-सङ्ख्या
	प्रथम-भाग (PART - 1)	
I.	**नाट्यसाहित्य-परम्परा तथा प्रमुख नाटककार** - भास, कालिदास, अश्वघोष, शूद्रक, हर्ष, भवभूति, विशाखदत्त, भट्टनारायण।	12
II.	**स्वप्नवासवदत्तम्** (प्रथम अङ्क) व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न।	11
III.	**अभिज्ञानशाकुन्तलम्** (1 से 2 अङ्क) व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न।	11
IV.	**अभिज्ञानशाकुन्तलम्** (3 से 4 अङ्क) व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न।	11
	द्वितीय भाग (PART-2)	
	कृदन्तप्रकरण (लघु-सिद्धान्त - कौमुदी) **कृत्य** - तव्यत्, अनीयर्, यत्, ण्यत्।	11

V.	**कृत्**- तुमुन्, क्त्वा, ल्यप्, क्त, क्तवतु, शतृ, शानच्, ण्वुल, तृच्, णिनि।	
VI.	**तद्धितप्रकरण** - अपत्यार्थ (लघु- सिद्धान्तकौमुदी)।	**11**
VII.	**विभक्त्यर्थप्रकरण** (लघु-सिद्धान्त - कौमुदी)। **समासप्रकरण** - केवलसमास पर्यन्त (लघुसिद्धान्तकौमुदी)।	**12**
VIII.	**स्त्रीप्रत्यय** (लघुसिद्धान्तकौमुदी)।	**11**

Suggested Readings:-

संस्तुत ग्रन्थ-

1. अभिज्ञानशाकुन्तलम्, डॉ कपिलदेव द्विवेदी, रामनारायण लाल विजय कुमार प्रकाशन, इलाहाबाद।
2. अभिज्ञानशाकुन्तलम्, डॉ उमेश चंद्र पांडे, प्राच्य भारतीय संस्थान गोरखपुर।
3. अभिज्ञानशाकुन्तलम्, डॉ रमाशंकर त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन।
4. अभिज्ञानशाकुन्तलम्, डॉ निरूपण विद्यालङ्कार, साहित्य भंडार, मेरठ।
5. स्वप्नवासवदत्तम्, श्री तरणीश झा, रामनारायण लाल बेनीमाधव प्रकाशक, इलाहाबाद।
6. स्वप्नवासवदत्तम्, जयकृष्णदास हरिदास गुप्त, चौखम्बा संस्कृत सीरीज, वाराणसी।
7. स्वप्नवासवदत्तम्, डॉ. संगीता अग्रवाल, ज्ञान प्रकाशन, मेरठ।
8. संस्कृत-नाटक- उद्भव और विकास, डॉ ए.वी. कीथ, अनुवादक उदयभानु सिंह।
9. नाट्य - साहित्य का इतिहास और नाट्य- सिद्धान्त, जयकुमार जैन, साहित्य भंडार, मेरठ, 2012।
10. संस्कृत के प्रमुख नाटककार और उनकी कृतियां, डॉ गंगासागर राय।
11. संस्कृत-साहित्य का इतिहास, उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', चौखम्बा भारती अकादमी, वाराणसी, 2012।
12. संस्कृत-साहित्य का इतिहास, वाचस्पति गैरोला, चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी, पञ्चम् संस्करण 1997।
13. लघु-सिद्धान्त-कौमुदी, वरदराज, भैमीव्याख्या, भीमसेन शास्त्री (1-6 भाग), भैमी प्रकाशन, दिल्ली 1993।
14. लघुसिद्धान्तकौमुदी, गोविंद प्रसाद शर्मा एवं आचार्य रघुनाथ शास्त्री, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन।
15. लघुसिद्धान्तकौमुदी, डॉ उमेशचंद्र पांडे, चौखम्बा प्रकाशन।
16. लघुसिद्धान्तकौमुदी, डॉ रामकृष्ण आचार्य, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।

This course can be opted as an elective by the students of following subjects: सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL) .....

Suggested Continuous Evaluation Methods:

प्रस्तावित सतत-मूल्याङ्कन-

(क) लिखितपरीक्षा 15 अङ्क **अथवा** पाठ्यक्रम में निर्धारित ग्रंथों पर आधारित अधिन्यास (असाइनमेंट) एवं मौखिकी (ख) पाठ्यक्रम में निर्धारित नाटकों पर आधारित संवाद एवं अभिनय कौशल- परीक्षा 10 अङ्क
Course prerequisites: **सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL).....**
Suggested equivalent online courses: 1. E- learning in Sanskritam - sanskritfromhome@vyomalabs.in 2. https://www.sanskritfromhome.org/course-listing 3. https://unacademy.com/goal/language/UJSBP/free-platform/sanskrit/XMJIB
Further Suggestions: .....

Programme/class Diploma कार्यक्रम/वर्ग- डिप्लोमा	**Year : Second** वर्ष - द्वितीय	**Semester : IV** सेमेस्टर - चतुर्थ

विषय - संस्कृत		
प्रश्न पत्र कोड - 410201	प्रश्नपत्र-शीर्षक - काव्यशास्त्र एवं संस्कृत लेखन-कौशल	Thorey

Course outcomes:

अधिगम उपलब्धियाँ-

1. विद्यार्थी काव्यशास्त्र के उद्भव और विकास से सुपरिचित होकर काव्यशास्त्रीय तत्त्वों को समझने में सक्षम होंगे।
2. छन्द-भेद एवं उनके नियमों को समझने में समर्थ होंगे।
3. संस्कृत-अलङ्कारों के ज्ञान के माध्यम से काव्य के सौंदर्य का बोध कर सकेंगे।
4. कल्पनाशीलता एवं रचनात्मक क्षमता का विकास होगा।
5. शब्द - ज्ञानकोष में वृद्धि होगी।
6. व्याकरण-शास्त्र के ज्ञान के माध्यम से शुद्ध वाक्य - विन्यास - कौशल का विकास हो सकेगा।
7. विद्यार्थियों में निबंध एवं अनुच्छेद लेखन क्षमता का विकास होगा।
8. संस्कृत पत्र - लेखन - कौशल में वृद्धि होगी।
9. अपठित अंश के माध्यम से विषयवस्तु अवबोध एवं अभिव्यक्ति का कौशल विकसित होगा।

Credits : 6	Core Compulsory
Max. Marks : 25+75	Min. Passing Marks : 33

Total No. of Lectures- Tutorials - Practical (in hours per week) : L-T-P: 6-0-0

Unit	Topics	No. of Lectures व्याख्यान-सङ्ख्या
	प्रथम-भाग (PART - 1)	
I	**संस्कृत-काव्यशास्त्र-परम्परा :** प्रमुख आचार्य व उनके ग्रन्थ - भरत, भामह, दण्डी, वामन, आनन्दवर्धन, अभिनवगुप्त, कुन्तक, क्षेमेन्द्र, मम्मट, विश्वनाथ, जगन्नाथ।	12
II	**साहित्यदर्पण** (प्रथम-परिच्छेद) कारिकाओं की व्याख्या मात्र।	11
III	**छन्द** (वृत्तरत्नाकर से अधोलिखित छन्द) अनुष्टुप्, आर्या, वंशस्थ, द्रुतविलम्बित, भुजङ्गप्रयात, वसन्ततिलका, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, उपजाति, मालिनी, मन्दाक्रान्ता, शिखरिणी, शार्दूलविक्रीडित, स्रग्धरा।	11
IV	**अलङ्कार** (काव्यदीपिका से अधोलिखित अलङ्कार) अनुप्रास, यमक, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, सन्देह, भ्रान्तिमान, दृष्टान्त, निदर्शना, विभावना, विशेषोक्ति, अर्थान्तरन्यास, समासोक्ति।	11

	द्वितीय-भाग (PART-2)	
V	**निबन्धाः** - वेदाः, प्रियः कविः, संस्कृतभाषा, योगस्य उपादेयता, नैतिकमूल्यानि।	12
VI	पत्र-व्यवहारः (रचनानुवादकौमुदी)।	11
VII	**सम-सामयिक विषयों पर अनुच्छेद-लेखन।** **अथवा** **विज्ञापन** **अथवा** **समाचार-लेखन।**	11
VIII	**अपठित गद्यांश अथवा पद्यांश पर आधारित प्रश्नोत्तर**	11

Suggested Readings:-

संस्तुत ग्रन्थ-

1. साहित्य-दर्पण (विश्वनाथ कविराज), सत्यव्रत सिंह, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।
2. साहित्य-दर्पण, शालिग्राम शास्त्री मोतीलाल बनारसीदास प्रकाशन, वाराणसी।
3. साहित्य-दर्पण, राज किशोर सिंह प्रकाशक केंद्र, लखनऊ।
4. वृत्तरत्नाकरः श्री केदारभट्ट, (व्या.) बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2011।
5. छन्दोऽलंकारसौरभम्, डॉ. सावित्री गुप्ता, विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली, 2009।
6. छन्दोऽलंकारसौरभम्, प्रो. राजेंद्र मिश्र, अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद।
7. छन्दमञ्जरी - विकास, हरिदत्त उपाध्याय।
8. काव्यदीपिका, कांतिचंद्र भट्टाचार्य, साहित्य भंडार, मेरठ।
9. काव्यदीपिका, डॉ बाबूराम त्रिपाठी, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
10. साहित्यामृतम् - वागीश शर्मा दिनकर, शारदा संस्कृत संस्थान, वाराणसी।
11. संस्कृत-साहित्य का इतिहास, उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', चौखम्बा भारती अकादमी, वाराणसी, पुनर्मुद्रित 2012।
12. संस्कृत-साहित्य का इतिहास, वाचस्पति गैरोला, चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी, पंचम संस्करण 1997।
13. हायर-संस्कृत-ग्रामर, मोरेश्वर रामचंद्र काले, (हिंदी अनुवादक) डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, श्रीरामनारायणलाल बेनीप्रसाद, इलाहाबाद 2001।
14. संस्कृत-व्याकरण एवं अनुवाद - कला, ललित कुमार मंडल, प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली 2007।
15. अनुवाद-चंद्रिका, डॉ. यदुनंदन मिश्र, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।

16. अनुवाद-चंद्रिका, ब्रह्मानंद त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।

17. अनुवाद-चंद्रिका, चंद्रधर हंस नौटियाल, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 1999।

18. संस्कृत - रचना, वी० एस० आप्टे, (अनु०) उमेशचन्द्र पांडेय, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 2008।

19. रचनानुवादकौमुदी, कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2011।

20. संस्कृतनिबन्धशतकम्, कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी, 2010।

21. संस्कृतनिबन्धावली, रामजी उपाध्याय, चौखम्बा प्रकाशन।

22. संस्कृत निबन्ध-सुधा, राधेश्याम गंगवार, नागराज प्रकाशन, पिथौरागढ़, 2005।

23. संभाषणसन्देशः - 'अक्षरम्', गिरिनगरम्, बैंगलुरु।

24. प्रवेशः, संस्कृतभारती।

25. विभक्तिमंजरी, संस्कृतभारती।

26. अभ्यासदर्शिका संस्कृतभारती।

27. व्यावहारिक संस्कृत प्रशिक्षक।

28. https://bharatavani.in/bharatavani/home/book?id=%E0%A4%B5%E0%A5%8D%E0%A4%AF%E0%A4%BE%E0%A4%B5%E0%A4%B9%E0%A4%BE%E0%A4%B0%E0%A4%BF%E0%A4%95%20%E0%A4%B8%E0%A4%82%E0%A4%B8%E0%A5%8D%E0%A4%95%E0%A5%83%E0%A4%A4%20%E0%A4%AA%E0%A5%8D%E0%A4%B0%E0%A4%B6%E0%A4%BF%E0%A4%95%E0%A5%8D%E0%A4%B7%E0%A4%95%20%7C%20Vyavaharik%20Sanskrit%20Prashichhak%EF%BB%BFa

This course can be opted as an elective by the students of following subjects: सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL).....

Suggested Continuous Evaluation Methods:

प्रस्तावित सतत-मूल्याङ्कन-

(क) लिखित परीक्षा 15 अङ्क

(ख) अधिन्यास (असाइनमेंट) एवं मौखिकी 10 अङ्क

अथवा

किसी एक छन्द अथवा अलङ्कार के लक्षण एवं न्यूनतम 10 उदाहरणों (संगति सहित) के संकलन से सम्बन्धित परियोजना कार्य एवं मौखिकी

अथवा

प्रदत्त अपठित श्लोकों में छन्द एवं अलङ्कार-निर्धारण विषयक प्रायोगिकी

Course prerequisites: **सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL).....**

Suggested equivalent online courses: E- learning in Sanskritam - sanskritfromhome@vyomalabs.in 1. https://www.sanskritfromhome.org/course-listing 2. https://unacademy.com/goal/language/UJSBP/free-platform/sanskrit/XMJIB
Further Suggestions: .....

Programme/class U.G. कार्यक्रम/वर्ग-डिप्लोमा	Year : Second वर्ष - द्वितीय	Semester : IV सेमेस्टर - चतुर्थ
विषय – संस्कृत		
प्रश्नपत्र कोड - 0410265	प्रश्नपत्र-शीर्षक- संस्कृत परियोजना	Thorey

Course outcomes:

अधिगम उपलब्धियाँ-

1- इस परियोजना के माध्यम से विद्यार्थियों में शोध-दृष्टि का विकास होगा।

2- विषय के प्रति नवीन रुचि जाग्रत होगी।

3- विद्यार्थी विषय का सूक्ष्म ज्ञान परियोजना के रूप में रखने की योग्यता प्राप्त करेंगे।

4- शोध कार्य के प्रति प्रेरणा प्राप्त होगी।

5- भविष्य की दृष्टि से विद्यार्थियों में उत्तम शोधकार्य का आधार निर्मित होगा।

Credits: 3	Core Compulsory
Max. Marks : 25+75	Min. Passing Marks : 40

Unit	संस्कृत-परियोजना
I.	**महत्त्वपूर्ण बिन्दु एवं निर्देश -** 1- यह परियोजना विद्यार्थी द्वारा चतुर्थ सत्रांश के ग्रीष्मकालीन अवकाश में तैयार की जाएगी। 2- इसके लिए विद्यार्थी पठित पाठ्यक्रम में से किसी भी एक विषय का चयन करके इस परियोजना को पूर्ण करेंगे । 3- विद्यार्थी द्वारा पञ्चम सत्रांश में प्रवेश से पूर्व इस परियोजना को अपने विभाग में अनिवार्य रूप से प्रस्तुत किया जाएगा।

Programme/class **Bachelor** कार्यक्रम/वर्ग- **स्नातक डिग्री**	Year : **Third** वर्ष - **तृतीय**	Semester: **V** सेमेस्टर - **पञ्चम**
विषय - **संस्कृत**		
प्रश्नपत्रकोड - 0510201	प्रश्नपत्र शीर्षक - **प्रथम-प्रश्नपत्र - वैदिक वाङ्मय एवं भारतीय दर्शन**	**Thorey**

Course outcomes:

अधिगम उपलब्धियाँ -

1. वैदिक-वाङ्मय एवं संस्कृति का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
2. वैदिक एवं औपनिषदिक-संस्कृति के प्रति गौरवबोध होगा।
3. वेदोक्त संदेशों एवं मूल्यों के माध्यम से आचरण का उदात्तीकरण होगा।
4. उपनिषद् का सामान्य-परिचय एवं निहित उपदेशों का अवबोध होगा।
5. औपनिषदिक कर्म-संयम भक्ति एवं त्याग-मूलक संस्कृति से परिचित होंगे।
6. वैदिक एवं औपनिषदिक-संस्कृति के प्रति गौरवबोध होगा। वैदिक-सूक्तों के माध्यम से विद्यार्थियों को तत्कालीन आध्यात्मिक, सामाजिक एवं राष्ट्रिय परिदृश्य का निदर्शन होगा।
7. भारतीय दार्शनिकतत्त्वों का सामान्य ज्ञान प्राप्त होगा।
8. दार्शनिकतत्त्वों में अनुस्यूत गूढार्थ - बोध होगा।
9. दार्शनिकतत्त्वों के प्रति विश्लेषणात्मक एवं तार्किक क्षमता का विकास होगा।
10. दर्शन में विद्यमान नैतिक एवं कल्याणपरक तथ्यों से आत्मोत्कर्ष की अभिप्रेरणा प्राप्त होगी।
11. भारतीय-दर्शन में निहित उद्देश्यों एवं ज्ञान को आचरण में समाहित करने हेतु अभिप्रेरित होंगे।
12. गीताज्ञान रहस्य द्वारा सृष्टि-कल्याणार्थ भाव विकसित होंगे।

Credits : 5	**Core Compulsory**
Max. Marks : 25+75	**Min. Passing Marks : 33**

Total No. of Lectures- Tutorials - Practical (in hours per week) : L-T-P: 5-0-0

Unit	Topics	No. of Lectures व्याख्यान-सङ्ख्या
	प्रथम-भाग (PART - 1)	
I	**वैदिकवाङ्मय का सामान्य परिचय** (संहिता, ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषद् एवं वेदाङ्ग)।	12
II	**ऋग्वेदसंहिता-** अग्निसूक्त (1.1), विष्णुसूक्त (1.154), पुरुषसूक्त (10.90), हिरण्यगर्भसूक्त (10.121), वाक्सूक्त (10.125) व्याख्या एवं देवता - परिचय।	11
III	**यजुर्वेदसंहिता-** शिवसंकल्पसूक्त।	11

	अथर्ववेदसंहिता- पृथ्वीसूक्त (12.1) (1 से 12 मन्त्र), सांमनस्यसूक्त (3.30) व्याख्या एवं सम्बधित प्रश्न।	
IV	**ईशावास्योपनिषद्** - व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न।	11
	द्वितीय भाग (PART-2)	
V	**भारतीय दर्शन का सामान्य – परिचय।** **दर्शन का अर्थ एवं महत्त्व** **आस्तिक-दर्शन** - सांख्य, योग, न्याय, वैशेषिक, मीमांसा एवं वेदान्त। **नास्तिक-दर्शन** - चार्वाक, जैन और बौद्ध। (परिचयात्मक प्रश्न)	12
VI	**श्रीमद्भगवद्गीता**- द्वितीय-अध्याय व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न।	11
VII	**तर्कसङ्ग्रह** (आरम्भ से प्रत्यक्षखण्डपर्यन्त) सूत्रों का अनुवाद मात्र।	11
VIII	**तर्कसङ्ग्रह** (अनुमान से समाप्तिपर्यन्त) सूत्रों का अनुवाद मात्र।	11

Suggested Readings: -

संस्तुत ग्रन्थ -

1. ईशावास्योपनिषद्, डॉ शिवप्रसाद द्विवेदी, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
2. ईशावास्योपनिषद्, गीता प्रेस, गोरखपुर, 1994।
3. ऋग्वेदसंहिता, राम गोविंद त्रिवेदी, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।
4. ऋक्सूक्त संग्रह, हरिदत्त शास्त्री, साहित्य भंडार, मेरठ।
5. ऋक्सूक्त - सौरभ, डॉ आर. के. लौ, ज्ञान प्रकाशन, मेरठ।
6. सूक्तसंकलन, प्रोफेसर विश्वंभरनाथ त्रिपाठी, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
7. सूक्तसंकलन, डॉ उमेशचंद्र पांडे, प्राच्य भारती प्रकाशन, गोरखपुर।
8. वेदामृतमंजूषिका, डॉ प्रयाग नारायण मिश्र, प्रकाशन केन्द्र, लखनऊ।
9. वैदिक-साहित्य एवं संस्कृति, वाचस्पति गैरोला, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
10. वैदिक साहित्य का इतिहास, डॉ करण सिंह, साहित्य भंडार मेरठ।
11. वैदिक साहित्य की रूपरेखा, प्रो. राममूर्ति शर्मा, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
12. वैदिक-साहित्य एवं संस्कृति, आचार्य बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा प्रकाशन।
13. श्रीमद्भगवद्गीता, (सम्पा०) गजानन शंभू साधले शास्त्री, परिमल पब्लिकेशन, दिल्ली, 1985।
14. श्रीमद्भगवद्गीता, हरिकृष्णदास गोयन्दका, गीता प्रेस, गोरखपुर, 2009।
15. तर्कसंग्रह, अन्नम्भट्ट, (व्या०) चंद्रशेखर द्विवेदी, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा।
16. तर्कसंग्रह, अन्नम्भट्ट, (व्या०) केदारनाथ त्रिपाठी, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
17. भारतीय दर्शन की भूमिका, रामानंद तिवारी, भारती मंदिर, भरतपुर, 1958।

18. भारतीय दर्शन, जगदीशचंद्र मिश्र, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2010।

19. भारतीय-दर्शन, आलोचन और अनुशीलन, चंद्रधर शर्मा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 2004।

20. भारतीय दर्शन का इतिहास, एस. एन. दासगुप्ता (अनु) कलानाथ शास्त्री एवं सुधीर कुमार (पांच भागों में), राजस्थान हिंदी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर, 1969-1989।

21. भारतीय-दर्शन, एस. राधाकृष्णन, (अनु०) नंदकिशोर गोभिल, राजपाल एंड संस, दिल्ली, 1989।

22. भारतीय-दर्शन की रूपरेखा, एम.हिरियन्ना, (अनु०) गोवर्धन भट्ट, मंजू गुप्त एवं सुखबीर चौधरी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली 1965।

This course can be opted as an elective by the students of following subjects: सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL) .....

Suggested Continuous Evaluation Methods:

प्रस्तावित सतत-मूल्याङ्कन-

(क) लिखित परीक्षा 15 अङ्क

(ख) वैदिक मंत्रों का शुद्ध एवं स्वर उच्चारण (भावार्थ-सहित) 15 अङ्क

अथवा

अधिन्यास (असाइनमेंट) एवं मौखिकी

Course prerequisites: **सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL) .....**

Suggested equivalent online courses: E- learning in Sanskritam - sanskritfromhome@vyomalabs.in

1. https://www.sanskritfromhome.org/course-listing
2. https://unacademy.com/goal/language/UJSBP/free-platform/sanskrit/XMJIB

Further Suggestions: .....

Programme/class **Bachelor** कार्यक्रम/वर्ग- **स्नातक डिग्री**	Year : **Third** वर्ष - **तृतीय**	Semester: **V** सेमेस्टर - **पञ्चम**
विषय – **संस्कृत**		
प्रश्नपत्रकोड - 0510202	प्रश्नपत्र शीर्षक - **द्वितीय-प्रश्नपत्र - व्याकरण एवं भाषा-विज्ञान**	**Thorey**

Course outcomes: अधिगम उपलब्धियाँ -

1. भाषाविज्ञान के उद्भव एवं विकास का सामान्य ज्ञान प्राप्त होगा।
2. संस्कृतभाषा एवं व्याकरण की वैज्ञानिकता का अवबोध होगा।
3. भाषा एवं भाषाविज्ञान की उपयोगिता एवं महत्त्व से सुपरिचित होंगे।
4. ध्वनि के प्रारम्भिक एवं वर्तमान स्वरूप एवं ध्वनि परिवर्तन के कारणों के प्रति विश्लेषणात्मक दृष्टि विकसित होगी।
5. पदों की सिद्धि-प्रक्रिया के माध्यम से शब्द-निर्माण की वैज्ञानिकता से परिचित होंगे।
6. संस्कृत भाषा के शुद्ध उच्चारण एवं लेखन का कौशल विकसित होगा।

Credits : 5	**Core Compulsory**
Max. Marks : 25+75	**Min. Passing Marks : 33**

Total No. of Lectures- Tutorials - Practical (in hours per week) : L-T-P: 5-0-0

Unit	Topics	No. of Lectures व्याख्यान-सङ्ख्या
I.	**धातुरूपसिद्धि** (लघुसिद्धान्तकौमुदी) **भू एवं एध्** (सूत्रव्याख्या एवं रूपसिद्धि) पा, गम्, कृ - रूपस्मरण।	11
II.	**रूपसिद्धि एवं रूपस्मरण** (लघुसिद्धान्तकौमुदी) **पुल्लिङ्ग** - राम (सूत्रव्याख्या एवं रूपसिद्धि) सर्व, हरि, सखि - रूपस्मरण।	10
III.	**स्त्रीलिङ्ग** - रमा (सूत्रव्याख्या एवं रूपसिद्धि) सर्वा, मति, नदी - रूपस्मरण।	09
IV.	**नपुंसकलिङ्ग** - ज्ञान, वारि (सूत्रव्याख्या एवं रूपसिद्धि) मधु, दधि- रूपस्मरण।	09
V.	**हलन्त-पुल्लिङ्ग** - राजन् (सूत्रव्याख्या एवं रूपसिद्धि) इदम्, तद्, अस्मद्, युष्मद् - रूपस्मरण।	09
VI.	**हलन्त नपुंसकलिङ्ग** - इदम् (सूत्रव्याख्या एवं रूपसिद्धि) **हलन्त - स्त्रीलिङ्ग** - अपस्, इदम्, किम् - रूपस्मरण।	09

VII.	**भाषाविज्ञान का स्वरूप,** भाषाविज्ञान के मुख्य अङ्ग एवं उपादेयता, भाषा की परिभाषा एवं स्वरूप, भाषा की विशेषताएं, भावाभिव्यक्ति के साधन एवं भाषा के अनेकरूप (बोली, भाषा, विभाषा)।	09
VIII.	**भाषा का उद्भव एवं विकास, भाषापरिवर्तन की दिशाएं एवं कारण, ध्वनि परिवर्तन की दिशाएं एवं कारण।**	09

Suggested Readings:-

संस्तुत ग्रन्थ-

1. लघुसिद्धान्तकौमुदी, वरदराज, भैमी व्याख्या, भीमसेन शास्त्री (1-6 भाग), भैमी प्रकाशन, दिल्ली 1993।
2. लघुसिद्धान्तकौमुदी, गोविंद प्रसाद शर्मा एवं आचार्य रघुनाथ शास्त्री, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन।
3. लघुसिद्धान्तकौमुदी, डॉ उमेश चंद्र पांडे, चौखम्बा प्रकाशन।
4. लघुसिद्धान्तकौमुदी, डॉ रामकृष्ण आचार्य, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
5. कृदन्त सूत्रावली, बृजेश कुमार शुक्ल, प्रकाशन केन्द्र, लखनऊ।
6. भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र, कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, द्वादश संस्करण 2010।
7. भाषाविज्ञान, भोलानाथ तिवारी, किताब महल प्राइवेट लिमिटेड, इलाहाबाद।

This course can be opted as an elective by the students of following subjects: सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL).....

Suggested Continuous Evaluation Methods:

प्रस्तावित सतत मूल्याङ्कन-

(क) लिखित परीक्षा 10 अङ्क

(ख) अधिन्यास (असाइनमेंट) एवं मौखिकी 15 अङ्क

अथवा

संस्कृत-सम्भाषण

Course prerequisites: सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL) .....

Suggested equivalent online courses: E- learning in Sanskritam - sanskritfromhome@vyomalabs.in

1. https://www.sanskritfromhome.org/course-listing
2. https://unacademy.com/goal/language/UJSBP/free-platform/sanskrit/XMJIB

Further Suggestions: .....

Programme/class **Bachelor** कार्यक्रम/वर्ग- **स्नातक डिग्री**	Year : **Third** वर्ष - **तृतीय**	Semester: **V** सेमेस्टर - **षष्ठम**
विषय – **संस्कृत**		
प्रश्नपत्रकोड - 0610201	प्रश्नपत्र शीर्षक - **प्रथम-प्रश्नपत्र** - आधुनिक संस्कृत-साहित्य	**Thorey**

Course outcomes:

अधिगम उपलब्धियाँ –

1. आधुनिक संस्कृत-कवियों से सुपरिचित होंगे।
2. नवीन-बिम्बविधानों एवं नवीन विषयों का ज्ञान प्राप्त होगा।
3. आधुनिक संस्कृत-साहित्य के बाल-साहित्य से परिचित होते हुए संस्कृत-शिक्षण की सरलतम विधि के प्रति उन्मुख होंगे।
4. आधुनिक संस्कृत साहित्य में विद्यमान नैतिक एवं कल्याणपरक तथ्यों से आत्मोत्कर्ष की अभिप्रेरणा प्राप्त होगी।
5. आधुनिक संस्कृत-साहित्य में निहित उद्देश्यों एवं ज्ञान को आचरण में समाहित करने हेतु अभिप्रेरित होंगे।

Credits : 5	**Core Compulsory**
Max. Marks : 25+75	**Min. Passing Marks : 33**

Total No. of Lectures- Tutorials - Practical (in hours per week) : L-T-P: 5-0-0

Unit	Topics	No. of Lectures व्याख्यान-सङ्ख्या
I.	**आधुनिक संस्कृत-साहित्य के प्रमुख कवि एवं उनकी कृतियों का सामान्य-परिचय** - प्रभुदत्त स्वामी, वासुदेव द्विवेदी शास्त्री, श्रीनिवास रथ, प्रो. रेवाप्रसाद द्विवेदी, अभिराज राजेन्द्र मिश्र, रमाकान्त शुक्ल, डॉ. गणेशदत्त शर्मा।	11
II.	**आधुनिक-महाकाव्यम्** विवेकानन्द-चरितामृतम् (अष्टमः सर्गः) डॉ. गणेशदत्त शर्मा।	10
III.	**आधुनिक काव्यम्** पूर्व-भारतम् (अष्टादशः सर्गः) - आचार्य प्रभुदत्त स्वामी।	09
IV.	**आधुनिक-नाटकम्** क्षत्रपतिः-साम्राज्यम् (प्रथम-अङ्क) – श्री मूलशङ्कर माणिक्यलाल 'याज्ञिक'।	09
V.	**संस्कृत-उपन्यासः** पद्मिनी (प्रथम एवं द्वितीय विराम) - मोहनलाल शर्मा पाण्डे।	09
	संस्कृत-गीतिकाव्यम्	

VI.	भाति मे भारतम् (1-50 पद्य) – डॉ० रमाकान्त शुक्ल।	09
VII.	**संस्कृत-कथा** इक्षुगन्धा-कथासंग्रह से इक्षुगन्धा- कथा - अभिराज राजेन्द्र मिश्र।	09
VIII.	**संस्कृत-सुभाषितम्** दीपमालिका, पं. वासुदेव द्विवेदी शास्त्री।	09

संस्तुत ग्रन्थ – (टिप्पणी- सभी ग्रन्थों से व्याख्यात्मक एवं समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे।)

1. ईक्षुगन्धा, प्रो. अभिराज राजेन्द्र मिश्र, विजयन्त प्रकाशन, इलाहाबाद।
2. विवेकानन्द-चरितामृतम् - डॉ. गणेशदत्त शर्मा, उर्मिला प्रकाशन, साहिबाबाद।
3. भाति मे भारतम्, डॉ. रमाकान्त शुक्ल, देववाणी प्रकाशन, वाणी विहार, नई दिल्ली - 6।
4. क्षत्रपति साम्राज्यम् - श्रीमूलशंकर माणिकलाल याज्ञिक, व्याख्याकार - डा. नरेश झा, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
5. पूर्व-भारतम्, आचार्य प्रभुदत्त स्वामी, साहित्य भण्डार, मेरठ।
6. दीपमालिका, वासुदेव द्विवेदी शास्त्री, सार्वभौम संस्कृत प्रचार संस्थान, वाराणसी।
7. पद्मिनी, मोहनलाल शर्मा पांडे, पांडे प्रकाशन, जयपुर।
8. संस्कृत वाङ्मय का बृहद् - इतिहास, सप्तमखंड - आधुनिक संस्कृत साहित्य का इतिहास, श्री बलदेव।
9. उपाध्याय, उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान लखनऊ, प्रथम संस्करण-2000।
10. आधुनिक संस्कृत-साहित्य संदर्भ सूची, (संपादक) राधावल्लभ त्रिपाठी, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली।
11. आधुनिक संस्कृत-काव्य की परिक्रमा, मंजूलता शर्मा, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली।
12. http://www.sanskrit.nic.in/ASSP/index.html

This course can be opted as an elective by the students of following subjects: सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL) .....

Suggested Continuous Evaluation Methods: प्रस्तावित सतत-मूल्याङ्कन-

(क) लिखित परीक्षा 10 अङ्क

(ख) आधुनिक संस्कृत - पुस्तक समीक्षा एवं मौखिकी 15 अङ्क

Course prerequisites: **सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)** .....

Suggested equivalent online courses: E- learning in Sanskritam - sanskritfromhome@vyomalabs.in

- https://www.sanskritfromhome.org/course-listing
- https://unacademy.com/goal/language/UJSBP/free-platform/sanskrit/XMJIB

Further Suggestions: .....

Programme/class **Bachelor** कार्यक्रम/वर्ग- **स्नातक डिग्री**	Year : **Third** वर्ष - **तृतीय**	Semester: **VI** सेमेस्टर – **षष्ठ**
विषय – **संस्कृत**		
प्रश्नपत्रकोड - 0610202	प्रश्नपत्र शीर्षक - **द्वितीय-प्रश्नपत्र क (वैकल्पिक) -** **योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा**	**Theory**

Course outcomes: अधिगम उपलब्धियाँ –

1. भारतीय-योगशास्त्र के प्राचीन एवं वैज्ञानिक-ज्ञान से लाभान्वित होंगे।
2. योगशास्त्र के मूलभूत सिद्धान्तों को जानकर योग की महत्ता से परिचित होंगे।
3. योग के वास्तविक स्वरूप के अवबोध द्वारा योग को जीवन में समाहित करने हेतु प्रेरित होंगे।
4. योग के षट्कर्म, आसन, प्राणायाम एवं बन्धों के सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक दोनों पक्षों को समानरूप से सीख सकेंगे।
5. योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के अनुप्रयोग द्वारा स्वस्थ समाज का निर्माण कर सकने में समर्थ होंगे।

Credits : 5	**Core Compulsory**
Max. Marks : 25+75	**Min. Passing Marks : 33**

Total No. of Lectures- Tutorials - Practical (in hours per week) : L-T-P: 5-0-0

Unit	Topics	No. of Lectures व्याख्यान-सङ्ख्या
I.	**योग का अर्थ, परिभाषा एवं उपयोगिता।** **महर्षि पतञ्जलि व गुरु गोरखनाथ का परिचय।** **योग के प्रकार** - ज्ञानयोग, भक्तियोग, कर्मयोग व राजयोग का सामान्य परिचय। **प्राकृतिक-चिकित्सा क्या है ? और इसके सिद्धान्त व उपयोगिता।**	10
II.	**योगसूत्र -** **समाधिपाद** - चित्तवृत्ति के भेद, समाधि के भेद (सामान्य परिचय)। **साधनपाद** - क्रियायोग और योगाङ्ग (सामान्य परिचय)।	09
III.	**योगसूत्र -** **कैवल्यपाद** - सिद्धिभेद और कर्मप्रकार (सामान्य परिचय)। **विभूतिपाद** - धारणा, ध्यान, समाधि (सामान्य परिचय)।	09
IV.	**हठप्रदीपिका** - प्रथम उपदेश (सूत्र 1-16 एवम् 57-67)	10
V.	**हठप्रदीपिका** - प्रथम उपदेश (सूत्र 17-54)।	09
	हठप्रदीपिका - द्वितीय - उपदेश (सूत्र 21-36)।	10

VI.	**हठप्रदीपिका** - तृतीय- उपदेश (सूत्र 54-81)।	
VII.	**हठप्रदीपिका** - द्वितीय उपदेश (सूत्र 1-20 एवम् 37-68)।	**09**
VIII.	**प्राकृतिक चिकित्सा की विधियां व लाभ -** मृत्तिका-स्नान, मृत्तिका-पट्टी, वाष्प-स्नान, कटिस्नान, एनिमा, सूर्यकिरण चिकित्सा, अभ्यङ्ग, उपवास।	**09**

Suggested Readings:- संस्तुत ग्रन्थ-

1. पातञ्जलयोगदर्शनम्, पतञ्जलि-कृत योगसूत्र, व्यास - भाष्य, वाचस्पति मिश्र कृत तत्त्ववैशारदी एवं विज्ञानभिक्षु कृत योगवार्त्तिक सहित, (संपादक) नारायण मिश्र, भारतीय विद्या प्रकाशन, वाराणसी, 1981
2. योगदर्शन, हरिकृष्णदास गोयन्दका, गीता प्रेस, गोरखपुर
3. पातञ्जलयोगदर्शनम्, सुरेशचंद श्रीवास्तव, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
4. हठप्रदीपिका, कैवल्य धाम, लोनावला, पुणे
5. प्राकृतिक आयुर्विज्ञान, राकेश जिन्दल, आरोग्य सेवा प्रकाशन, उमेश पार्क, मोदीनगर
6. यज्ञ-चिकित्सा, ब्रह्मवर्चस्, शांतिकुंज, हरिद्वार
7. योग एवं स्वास्थ्य, पी. डी. मिश्र, रैपिडेक्स बुक्स, पुस्तक महल
8. सूर्यकिरण चिकित्सा-विज्ञान, अमर जीत, खंडेलवाल प्रकाशन, जयपुर
9. नेचर क्योर फिलासफी एंड मेथड्स, पी.डी. मिश्र, उत्तरप्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ

This course can be opted as an elective by the students of following subjects: सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL) .....

Suggested Continuous Evaluation Methods:

प्रस्तावित सतत मूल्याङ्कन -

(क) लिखित परीक्षा 10 अङ्क

(ख) अधिन्यास (असाइनमेंट) एवं मौखिकी 15 अङ्क

अथवा

योगासनों का प्रदर्शन

Course prerequisites: **सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL) .....**

Suggested equivalent online courses: E- learning in Sanskritam - sanskritfromhome@vyomalabs.in

- https://www.sanskritfromhome.org/course-listing
- https://unacademy.com/goal/language/UJSBP/free-platform/sanskrit/XMJIB

Further Suggestions: .....

Programme/class **Bachelor** कार्यक्रम/वर्ग- **स्नातक डिग्री**	Year : **Third** वर्ष - **तृतीय**	Semester: **VI** सेमेस्टर - **षष्ठ**
विषय - **संस्कृत**		
प्रश्नपत्रकोड - 0610203/A020603T	प्रश्नपत्र शीर्षक - **द्वितीय-प्रश्नपत्र ख (वैकल्पिक) -** **आयुर्वेद एवं स्वास्थ्यविज्ञान**	**Theory**

Course outcomes:

अधिगम उपलब्धियाँ -

1. भारतीय प्राच्यज्ञान की अद्भुत देन आयुर्वेद का सामान्य ज्ञान प्राप्त करेंगे।
2. मानव-स्वास्थ्य एवं रोग निवारण हेतु आयुर्वेद के मूलभूत सिद्धान्तों से सुपरिचित होंगे।
3. वर्तमान-समय में आयुर्वेद की आवश्यकता एवं महत्त्व से अवगत होते हुए मानव-कल्याणार्थ अनुप्रयोग हेतु प्रेरित होंगे।
4. अष्टाङ्ग-आयुर्वेद के ज्ञान द्वारा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने हेतु अग्रसर होंगे।

Credits : 5	**Core Compulsory**
Max. Marks : 25+75	**Min. Passing Marks : 33**

Total No. of Lectures- Tutorials - Practical (in hours per week) : L-T-P: 5-0-0

Unit	Topics	No. of Lectures व्याख्यान-सङ्ख्या
I.	**आयुर्वेद का सामान्य परिचय, उद्भव एवं विकास** **प्रमुख-आचार्य** - चरक, सुश्रुत, वाग्भट, माधव, शार्ङ्गधर, भावमिश्र।	10
II.	**आयुर्वेद का अर्थ एवं परिभाषा, मूलभूत सिद्धान्त, वर्तमान काल में उपयोगिता एवं महत्त्व, अष्टाङ्ग-आयुर्वेद।**	11
III.	**चरक संहिता** - सूत्रस्थान प्रथम- अध्याय (श्लोक 41 से 92)।	09
IV.	**चरक संहिता** - सूत्रस्थान प्रथम-अध्याय (श्लोक 93 से समाप्ति- पर्यंत)।	09
V.	**चरक संहिता** - सूत्रस्थान नवम अध्याय।	09
VI.	**चरक संहिता** - सूत्रस्थान दशम अध्याय।	09
VII.	**अष्टाङ्गहृदयम्** - वाग्भट सूत्रस्थानम्- प्रथम अध्याय 01-19।	09
VIII.	**अष्टाङ्गहृदयम्** - वाग्भट सूत्रस्थानम् - प्रथम अध्याय 20-44।	09

संस्तुत ग्रन्थ -

1. चरक-संहिता, (सम्पा०) ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2005
2. अष्टाङ्गहृदयम्,वाग्भट, (सम्पा०) ब्रह्मानंद त्रिपाठी, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान दिल्ली, पुनर्मुद्रित 2014

3. आयुर्वेद का बृहद्-इतिहास, अत्रिदेव विद्यालङ्कार, हिन्दीसमिति, उत्तरप्रदेश शासन लखनऊ, द्वितीय संस्करण 1976
4. संस्कृत-वाङ्मय का बृहद्-इतिहास, बलदेव उपाध्याय, उत्तरप्रदेश-संस्कृत संस्थान, लखनऊ।
5. आयुर्वेद का इतिहास (सप्तदश-खण्ड), उत्तरप्रदेश-संस्कृत संस्थान, लखनऊ 2006
6. आयुर्वेद का वैज्ञानिक - इतिहास, आचार्य प्रियव्रत शर्मा, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
7. आयुर्वेद-इतिहास एवं परिचय, विद्याधर शुक्ल एवं रविदत्त त्रिपाठी, चौखम्बा, वाराणसी
8. संस्कृतसाहित्य में आयुर्वेद, अत्रिदेव विद्यालङ्कार, भारतीय ज्ञानपीठ, काशी प्रथम - संस्करण, 1956

This course can be opted as an elective by the students of following subjects: सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL) .....

Suggested Continuous Evaluation Methods:

प्रस्तावित सतत मूल्याङ्कन -

(क) लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ लघु-उत्तरीय) **15** अङ्क

(ख) अधिन्यास (असाइनमेंट)/पत्र प्रस्तुतीकरण एवं मौखिकी **15** अङ्क

अथवा

प्रदत्त समस्या का निदान आदि (प्रायोगिक)

Course prerequisites: **सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL) .....**

Suggested equivalent online courses: E- learning in Sanskritam - sanskritfromhome@vyomalabs.in

1. https://www.sanskritfromhome.org/course-listing
2. https://unacademy.com/goal/language/UJSBP/free-platform/sanskrit/XMJIB

Further Suggestions: .....

अथवा

Programme/class **Bachelor** कार्यक्रम/वर्ग- **स्नातक डिग्री**	Year : **Third** वर्ष - तृतीय	Semester: **VI** सेमेस्टर - **षष्ठ**
विषय - **संस्कृत**		
प्रश्नपत्रकोड - 0610204/A020604T	प्रश्नपत्र शीर्षक - **द्वितीय-प्रश्नपत्र ग (वैकल्पिक)** **- भारतीय वास्तुशास्त्र**	**Theory**

Course outcomes:

अधिगम उपलब्धियाँ-

1. भारतीय वास्तुशास्त्र का सामान्य परिचय प्राप्त कर सकेंगे।
2. भारतीय प्राचीन-ज्ञान-धरोहर को जानने समझने की जिज्ञासा उत्पन्न होगी।
3. वास्तुशास्त्र के महत्त्व एवं वर्तमान उपयोगिता से परिचित होंगे।
4. वास्तुशास्त्र के मूलभूत-सिद्धान्तों के ज्ञान द्वारा उनके अनुप्रयोग का कौशल विकसित होगा।

Credits : 5	**Core Compulsory**
Max. Marks : 25+75	**Min. Passing Marks : 33**

Total No. of Lectures- Tutorials - Practical (in hours per week) : L-T-P: 5-0-0

Unit	Topics	No. of Lectures व्याख्यान-सङ्ख्या
I.	**वास्तुशास्त्र का सामान्य परिचय महत्त्व एवं वर्तमान प्रासंगिकता।**	**10**
II.	**वास्तुसौख्यम् प्रथम-भाग** (टोडरमल्ल विरचित) - वास्तुप्रयोजन, वास्तुस्वरूप (श्लोक 4 से 13)। **वास्तुसौख्यम् - द्वितीय-भाग** भूमिपरीक्षण, दिक्साधन, निवास हेतु स्थाननिर्वाचन (श्लोक 14 से 22)। **वास्तुसौख्यम्- तृतीय-भाग** गृहपर्यावरण, वृक्षारोपण, शल्यशोधन (श्लोक 31-49, 74-82)।	**10**
III.	**वास्तुसौख्यम्- चतुर्थ-भाग** षड्वर्ग-परिशोधन, वास्तुचक्र, ग्रहवास्तु, शिलान्यास (श्लोक 83-102, 107-112)। **वास्तुसौख्यम्- षष्ठ-भाग** पञ्चविधगृह, शालालिन्दप्रमाण, वीथिका - प्रमाण (श्लोक 171-194, 195-196)।	**10**

	वास्तुसौख्यम्- सप्तम-भाग द्वार-प्रमाण, स्तम्भ-प्रमाण, पञ्च चतु:शालागृह - सर्वतोभद्र, नन्द्यावर्त, वर्धमान, स्वस्तिक, रुचक (श्लोक 203-217)।	
IV.	**वास्तुसौख्यम्- अष्टम-भाग** एकाशीतिपदवास्तुचक्र, मर्मस्थान (श्लोक 287-302, 305-307)। **वास्तुसौख्यम्-नवम-भाग** वासदिशानिरुपण, द्वारफल, द्वारवेधफल (श्लोक 322-335,359-369)।	**09**
V.	**मुहूर्तचिन्तामणि,** वास्तुप्रकरण, (श्लोक 01 से 14)।	**09**
VI.	**मुहूर्तचिन्तामणि,** वास्तुप्रकरण (श्लोक 15 से 29)।	**09**
VII.	**मुहूर्तचिन्तामणि,** गृहप्रवेशप्रकरण।	**09**
VIII.	**भारतीय वास्तुशास्त्र तथा आधुनिक वास्तुविज्ञान की तुलनात्मक समीक्षा।**	**09**

संस्तुत ग्रन्थ -

1. वास्तुसौख्यम्, टोडरमल्ल, (सम्पा.) कमलाकांत शुक्ल, शिक्षण शोध प्रकाशन संस्थान, वाराणसी, मुहूर्तचिन्तामणि, श्रीराम, पीयूषधारा टीका - सहित, मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली
2. मुहूर्तचिन्तामणि, श्रीराम, श्रीदुर्गा पुस्तक भण्डार, प्रयागराज
3. भारतीय वास्तुशास्त्र, शुकदेव चतुर्वेदी, श्री लालबहादुरशास्त्री, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली
   वास्तुप्रबोधिनी, विनोद शास्त्री और सीताराम शर्मा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली 1996
4. बृहद्-वास्तुमाला, राममनोहर द्विवेदी और ब्रह्मानंद त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2012
5. वास्तुसार, देवीप्रसाद त्रिपाठी, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली, 2015

This course can be opted as an elective by the students of following subjects: सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL) .....

Suggested Continuous Evaluation Methods:

प्रस्तावित सतत-मूल्याङ्कन –

(क) लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ लघु-उत्तरीय) 10 अङ्क

(ख) पिण्डशोधन, भवन-निर्माण की आंतरिक संरचना (प्रायोगिक) 15 अङ्क

अथवा

अधिन्यास (असाइनमेंट)/पत्र-प्रस्तुतीकरण एवं मौखिकी

Course prerequisites: सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL) .....

Suggested equivalent online courses: E- learning in Sanskritam - sanskritfromhome@vyomalabs.in

1. https://www.sanskritfromhome.org/course-listing

2. https://unacademy.com/goal/language/UJSBP/free-platform/sanskrit/XMJIB
Further Suggestions: .....

अथवा

Programme/class Bachelor कार्यक्रम/वर्ग- स्नातक डिग्री	Year : Third वर्ष - तृतीय	Semester: VI सेमेस्टर – षष्ठ
विषय – संस्कृत		
प्रश्नपत्रकोड - 0610205/A020605T	प्रश्नपत्र शीर्षक - द्वितीय-प्रश्नपत्र घ (वैकल्पिक) - ज्योतिषशास्त्र के मूलभूत सिद्धान्त	Theory

Course outcomes:

अधिगम उपलब्धियाँ-

1. भारतीय प्राच्य-ज्ञान के प्रति अभिरुचि उत्पन्न होगी।
2. भारतीय ज्योतिष-शास्त्र का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
3. ज्योतिष के विभिन्न-सिद्धान्तों के ज्ञान के माध्यम से विश्लेषण क्षमता जागृत होगी।
4. पञ्चाङ्ग-अवलोकन एवं निर्माण - कौशल का विकास होगा।

Credits : 5	Core Compulsory
Max. Marks : 25+75	Min. Passing Marks : 33

Total No. of Lectures- Tutorials - Practical (in hours per week) : L-T-P: 5-0-0

Unit इकाई	Topics	No. of Lectures व्याख्यान-सङ्ख्या
I.	ज्योतिषशास्त्र का सामान्य परिचय, उद्भव एवं विकास त्रिस्कन्ध-ज्योतिष-सिद्धान्त, संहिता, होरा।	09
II.	ज्योतिषचन्द्रिका - संज्ञाप्रकरण (श्लोक 1 से 40)।	10
III.	ज्योतिषचन्द्रिका - संज्ञाप्रकरण (श्लोक 41 से 80)।	10
IV.	ज्योतिषचन्द्रिका संज्ञाप्रकरण (श्लोक 81 से 115)।	10
V.	शीघ्रबोध -प्रथम-प्रकरण।	09
VI.	शीघ्रबोध -द्वितीय-प्रकरण।	09
VII.	शीघ्रबोध -तृतीय-प्रकरण।	09
VIII.	शीघ्रबोध -चतुर्थ-प्रकरण।	09

Suggested Readings:-

संस्तुत ग्रन्थ-

1. ज्योतिषचन्द्रिका, रेवतीरमण शर्मा, (संपा) कान्ता भाटिया, भारतीय बुक कॉरपोरेशन, दिल्ली।
2. शीघ्रबोध, काशीनाथ, सम्पा. खूबचन्दशर्मा गौड़, नवलकिशोर बुक डिपो, लखनऊ।
3. शीघ्रबोध, काशीनाथ, सम्पा. प्रो. बृजेशकुमार शुक्ल, रायल बुक डिपो, लखनऊ।
4. ज्योतिर्विज्ञानसन्दर्भसमालोचनिका, प्रो. बृजेशकुमार शुक्ल, प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली।
5. बृहत् संहिता, अच्युतानंद झा (अनु०), चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।
6. बृहत् संहिता, राधाकृष्णन भट्ट (अनु०), मोतीलाल बनारसीदास वॉल्यूम 1 और 2, दिल्ली।
7. भारतीय-ज्योतिष, शंकर बालकृष्ण दीक्षित शिवनाथ झारखंडी (अनु०) हिन्दी समिति, उत्तरप्रदेश।
8. भारतीय - ज्योतिष, नेमीचंद शास्त्री, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली।
9. ब्रह्मांड एवं सौर-परिवार, त्रिपाठी देवी प्रसाद, दिल्ली।
10. भुवनकोश, त्रिपाठी देवी प्रसाद, दिल्ली।

This course can be opted as an elective by the students of following subjects: सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL) .....

प्रस्तावित सतत-मूल्याङ्कन -

(क) अधिन्यास (असाइनमेंट) एवं मौखिकी 15 अङ्क

अथवा

पञ्चाङ्गावलोकन परीक्षा

(ख) लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ लघु-उत्तरीय) 10 अङ्क

Course prerequisites: सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL) .....

Suggested equivalent online courses: E- learning in Sanskritam -

sanskritfromhome@vyomalabs.in

1. https://www.sanskritfromhome.org/course-listing
2. https://unacademy.com/goal/language/UJSBP/free-platform/sanskrit/XMJIB

Further Suggestions: .....

अथवा

Programme/class **Bachelor** कार्यक्रम/वर्ग- **स्नातक डिग्री**	Year : **Third** वर्ष - **तृतीय**	Semester: **VI** सेमेस्टर - **षष्ठ**
विषय - **संस्कृत**		
प्रश्नपत्रकोड - 0610206/A020606T	प्रश्नपत्र शीर्षक - **द्वितीय-प्रश्नपत्र ङ (वैकल्पिक)** **- नित्य नैमित्तिक-अनुष्ठान**	**Theory**

Course outcomes:

अधिगम उपलब्धियाँ -

1. विद्यार्थी भारतीय-पारम्परिक कर्मकाण्ड एवं सांस्कृतिक मूल्यों से परिचित होंगे।
2. नित्य नैमित्तिक-अनुष्ठानविधि को जानकर जीवन को नियमबद्ध एवं आचरणशील बनाने में समर्थ होंगे।
3. भारतीय-कर्मकांड के प्रामाणिक शास्त्रीयरूप से परिचित होकर उसकी व्यावहारिक उपयोगिता जानने योग्य बनेंगे।
4. सामान्य-अनुष्ठान सम्पन्न कराने योग्य - कुशल और पौरोहित्य-कर्म-विशारद बनेंगे
5. आत्मनिर्भर-भारत की संकल्पना को साकार करने में सक्षम एवं आत्मनिर्भर बनेंगे।

Credits : 5	**Core Compulsory**
Max. Marks : 25+75	**Min. Passing Marks : 33**

Total No. of Lectures- Tutorials - Practical (in hours per week) : L-T-P: 5-0-0

Unit	Topics	No. of Lectures व्याख्यान-सङ्ख्या
I.	**नित्यविधि** (प्रातरुत्थान, स्नान, सन्ध्या, तर्पण तथा पञ्चयज्ञ)।	10
II.	**स्वस्तिवाचन, संकल्प, गौरी-गणेश पूजन तथा वरुणकलश स्थापन।**	10
III.	**षोडशोपचार पूजन, कुशकण्डिका-विधि, मण्डपकुण्ड-निर्माण तथा होमविधि**	10
IV.	**रुद्राभिषेक, महामृत्युञ्जय-जप तथा नवचण्डी-विधान।**	09
V.	**नवग्रह-शान्ति, मूलगण्डान्तशान्ति, दुःस्वप्नशान्ति तथा वैधव्योपशान्ति।**	09
VI.	**प्राग्जन्म तथा जातकर्म संस्कार, अन्नप्राशन तथा चौलकर्म।**	09
VII.	**यज्ञोपवीत तथा विवाह-संस्कार।**	09
VIII.	**गृहारम्भ तथा गृहप्रवेश।**	09

Suggested Readings :-

संस्तुत ग्रन्थ-

1. पारस्करगृह्यसूत्र, संपा. सुधाकर मालवीय, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी

2. कर्म-कौमुदी, डॉ बृजेश कुमार शुक्ल, नाग प्रकाशक, दिल्ली 2001
3. कर्मठगुरु, मुकुंद बल्लभ मिश्र, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली 2001
4. आपस्तम्बीयकर्म मीमांसा, प्रयाग नारायण मिश्र, प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली
5. हिन्दु-संस्कार, राजबली पांडे चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी 1995
6. धर्मशास्त्र का इतिहास, प्रथम-भाग, अर्जुन चौबे, उत्तरप्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ
7. संस्कार - प्रकाश, भवानीशङ्कर त्रिवेदी, लालबहादुरशास्त्री केंद्रीय संस्कृत विद्यापीठ, दिल्ली
8. पौरोहित्यकर्म-प्रशिक्षक, उत्तरप्रदेश - संस्कृत- संस्थान, लखनऊ
9. नित्यकर्म-पूजा-प्रकाश, गीता प्रेस, गोरखपुर
10. धर्म-शास्त्र का इतिहास, पांडुरङ्ग वामन काणे, (अनु०) अर्जुन चौबे कश्यप, प्रथम-भाग, उत्तरप्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ, 1973

This course can be opted as an elective by the students of following subjects: सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL) .....

Suggested Continuous Evaluation Methods:

प्रस्तावित सतत मूल्याङ्कन-

(क) लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ/लघु-उत्तरीय)	**10 अङ्क**
(ख) अधिन्यास (असाइनमेंट) एवं मौखिकी (मंत्रोच्चारण-परीक्षा)	**15 अङ्क**

Course prerequisites: **सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)** .....

Suggested equivalent online courses:

1. E- learning in Sanskritam - sanskritfromhome@vyomalabs.in
2. https://www.sanskritfromhome.org/course-listing
3. https://unacademy.com/goal/language/UJSBP/free-platform/sanskrit/XMJIB

Further Suggestions: .....

Programme/Class: FYUGP	B.A Honours/Honours with Research वर्षम् - चतुर्थम्	Semester : VII सत्रम् - सप्तमम्
Subject: संस्कृतम्		
Course Code: 0710221	Course Title: वेदोपनिषद्निरुक्तञ्च ।	Theory

Course outcomes:

अधिगम- उपलब्धय:

1. विद्यार्थिनो वैदिकवाङ्मयस्य संस्कृतेश्च ज्ञानं प्राप्स्यन्ति ।
2. औपनिषदिकसंस्कृतिं प्रति गौरवपूर्णा: भविष्यन्ति ।
3. वेदोक्तसन्देशै: मूल्यैश्च छात्राणाम् आचरणम् उदात्तं भविष्यति ।
4. उपनिषदां परिचयं प्राप्स्यन्ति, उपनिषत्सु निहितान् उपदेशान् बोधिष्यन्ति ।
5. औपनिषदिककर्मसंयमभक्तित्यागपरकभावै: भाविता: भविष्यन्ति ।
6. वैदिकसूक्तानामध्ययनेन विद्यार्थिन: अध्यात्म-समाज-राष्ट्रविषये जागरिष्यन्ति ।

Credits: 4	Core Compulsory
Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks: 40

Total No. of Lectures- Tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P: 4-0-0 or 3-1-0 Etc.

Unit	Topic	No. of Lectures Total- 60
I	**वेदानां काल:** - मैक्समूलर-ए.वेबर- जैकोबी-बाल गंगाधर तिलक-एम.विण्टरनिट्जविदुषां मतानि-भारतीयपारम्परिक-मतानि च ।	12
II	**ऋग्वेदसंहिता** - नासदीयसूक्तम् (10.129), उषस् सूक्तम् (3.61) । **संवादसूक्तम्** – विश्वामित्रनदी-सूक्तम् । (3.33)	12
III	**यजुर्वेदसंहिता**- प्रजापतिसूक्तम् 23 (1-8), **अथर्ववेदसंहिता**- राष्ट्राभिवर्धनसूक्तम् (1.29) ।	12
IV	**कठोपनिषद्** - प्रथमोऽध्याय: (प्रथमावल्ली-द्वितीयावल्ली च) ।	12
V	**निरुक्तम्** - प्रथमोऽध्याय: ।	12

Teaching Learning Process : Lectures, Class Discussions, PowerPoint Presentations, Class Activities/ Assignments etc.

Suggested Readings:

संस्तुत-ग्रन्था:

1. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति, वाचस्पति गैरोला, चौखंबा प्रकाशन।
2. वैदिक साहित्य का इतिहास, डॉ. कर्ण सिंह, साहित्य भंडार मेरठ।
3. वैदिक साहित्य की रूपरेखा, प्रो.राममूर्ति शर्मा, चौखंबा प्रकाशन, वाराणसी।
4. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति, आचार्य बलदेव उपाध्याय, चौखंबा प्रकाशन।
5. ऋग्वेद -संहिता, राम गोविंद त्रिवेदी, चौखंबा विद्याभवन, वाराणसी।
6. ऋक्सूक्त संग्रह, हरिदत्त शास्त्री, साहित्य भंडार, मेरठ।
7. ऋक्सूक्त सौरभ, डॉ आर.के.लौ, ज्ञान प्रकाशन, मेरठ।
8. सूक्त संकलन, प्रोफेसर विश्वंभर नाथ त्रिपाठी, चौखंबा प्रकाशन।
9. सूक्त संकलन, डॉ उमेश चंद्र पांडे, प्राच्य भारती प्रकाशन, गोरखपुर।
10. संस्कृत सूक्त, रत्नाकर चतुर्वेदी वासुदेवकृष्ण,महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा।
11. यजुर्वेद, शर्मा जयदेव, डी.ए.वी पब्लिकेशन डिविजन, दिल्ली।
12. यजुर्वेद - संहिता, संपादक- सुरेंद्र प्रताप, नाग पब्लिशर्स, दिल्ली।
13. निरुक्त (यास्क), कपिल देव शास्त्री एवं डॉ श्रीकांत पांडे, साहित्य भंडार, मेरठ।
14. निरुक्त के पांच अध्याय, शिवनारायण शास्त्री, परिमल प्रकाशन दिल्ली।
15. कठोपनिषद्, प्रज्ञानंद सरस्वती, चौखंबा संस्कृत संस्थान।
16. कठोपनिषद्, गीता प्रेस गोरखपुर।

This course can be opted as an elective/ value added course by the students of following subjects: Open for all सभी के लिए उपलब्ध.....

Suggested Continuous Evaluation Methods:

प्रस्तावित सतत-मूल्याङ्कन-

(क) लिखितपरीक्षा 10 अङ्क

(ख) वैदिकमन्त्रों का शुद्ध सस्वर उच्चारण (भावार्थ-सहित) 15 अङ्क

अथवा

अधिन्यास (असाइनमेंट) मौखिक

Course prerequisites: सभी के लिए उपलब्ध.....

Suggested equivalent online courses: .....

Further Suggestions: .....

Programme/Class: FYUGP	B.A Honours/Honours with Research वर्षम्- चतुर्थम्	Semester: VII सत्रम् सप्तमम्
Subject: संस्कृतम्		
Course Code: 0710222	Course Title: गद्यकाव्यं गीतिकाव्यं चम्पूकाव्यञ्च।	Theory

Course outcomes :

अधिगम- उपलब्धय:

1. विद्यार्थिन: संस्कृतस्य गद्य-पद्यचम्पूविधा: सम्यक् परिचेष्यन्ति।
2. संस्कृतगीतिकाव्यस्य सुगेयताया: बोधं प्राप्स्यन्ति।
3. अनेनाध्ययनेन छात्रेषु रस-छन्दस्-अलंकाराणाम् अवगमनसामर्थ्यं विकसिष्यति।
4. काव्येषु आगतानां सूक्तीनां पठनेन पाठकानां नैतिकं चारित्रिकञ्च उन्नयनं भविष्यति।
5. गद्यपद्यचम्पूकाव्याध्ययनेन तेषां शब्दकोशो वृद्धिमेष्यति, सहैव ते संस्कृतश्लोकानां शुद्धोच्चारणे सस्वरगाने च नैपुण्यमवाप्स्यन्ति।
6. पाठ्यविषयस्य तात्कालिकीं संस्कृतिं ज्ञातुं समर्था: भविष्यन्ति।

Credits: 4	Core Compulsory
Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks: 40

Total No. of Lectures : Tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P: 4-0-0 or 3-1-0 Etc.

Unit	Topics	No. of Lectures Total - 60
I.	**मेघदूतम्।**	12
II.	**कादम्बरी-कथामुखम्** - मंगलाचरणम्, विन्ध्याटवीवर्णनम्, अगस्त्याश्रमवर्णनम्, पम्पासरोवर्णनम्, प्रभातवर्णनम्, जाबालिवर्णनम्।	12
III.	**नलचम्पू:** - आर्यावर्त्तवर्णनपर्यन्तम्।	12
IV.	**दशकुमारचरितम्**- अष्टमोच्छ्वास:।	12
V.	**गद्यगीतिकाव्ययो: इतिहास:।**	12

Teaching Learning Process: Lectures, Class Discussions, Presentations, Class Activities/Assignments, etc.

Suggested Readings:

संस्तुत-ग्रन्था:

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास, डॉ. बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
2. संस्कृत साहित्य का इतिहास, उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', चौखंबा भारती अकादमी, वाराणसी, ।
3. संस्कृत साहित्य का इतिहास, वाचस्पति गैरोला, चौखंबा विद्याभवन वाराणसी, पंचम संस्करण।
4. मेघदूतम्, गोस्वामी प्रह्लाद गिरी, भारतीय विद्या प्रकाशन दिल्ली।
5. मेघदूतम्, ज्ञान प्रकाशन,मेरठ।
6. मेघदूतम्, अमरनाथ शुक्ल,साहित्य भंडार मेरठ।
7. कादंम्बरी कथामुखम्, तारणीश झा, रामनारायण लाल बेनीमाधव, कटरा, इलाहाबाद।
8. कादम्बरी- एक सांस्कृतिक अध्ययन, वासुदेव शरण अग्रवाल।
9. नलचम्पू, साहित्य भंडार, मेरठ।
10. नलचम्पू, डॉ. परमेश्वर दीन पांडे, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन।
11. दशकुमारचरितम्,आचार्य श्री शेषराजशर्मा 'रेग्मी:',चौखम्बा कृष्णदास अकादमी, वाराणसी।

This course can be opted as an elective/ value added course by the students of following subjects: Open for all सभी के लिए उपलब्ध .....

Suggested Continuous Evaluation Methods:

प्रस्तावित सततं मूल्याङ्कन -

(क) लिखितपरीक्षा 10 अङ्क

(ख) पाठ्यक्रम में निर्धारित ग्रन्थाधारित अधिन्यास (असाइनमेंट) 15 अङ्क

अथवा

विषय से सम्बन्द्धित शोधपत्रवाचन

Course prerequisites: सभी के लिए उपलब्ध .....

Suggested equivalent online courses: .....

Further Suggestions: .....

Programme/Class - FYUGP	**B.A Honours/Honours with Research वर्षम्- चतुर्थम्**	Semester: **VII** सत्रम्-सप्तमम्
Subject: संस्कृतम्		
Course Code: 0710223	Course Title: **भारतीयदर्शनम्-न्यायवैशेषिकंसांख्यञ्च ।**	**Theory**

Course outcomes:

अधिगम- उपलब्धय:

1. विद्यार्थिनः दर्शनसाहित्यस्य परिचयं प्राप्य विविधदर्शनानां वर्गीकरणस्य सामर्थ्यमवाप्स्यन्ति, तेषां मुख्यतत्त्वैश्च परिचिताः भविष्यन्ति ।
2. पाठ्यक्रमे निर्धारितप्रकरणग्रन्थेषु निहितानां मुख्यसिद्धान्तानाम् अवधारणानाञ्च आलोचनात्मके विश्लेषणे सक्षमाः भविष्यन्ति ।
3. दार्शनिकाचार्याणां योगदानमवगमयन्तो विद्यार्थिनो व्यवहारे तेषां सिद्धान्तानाम् उपयोगितां ज्ञास्यन्ति ।
4. जीवने दर्शनराद्धान्तानां महत्त्वमनुभूय सुव्यवस्थिते उन्नते राष्ट्रनिर्माणे कृतधियो भवेयुः ।

Credits: 4	**Core Compulsory**
Max. Marks: 25+75	**Min. Passing Marks: 40**

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P: 4-0-0 or 3-1-0 Etc.

Unit	Topics	No. of Lectures Total -60
I.	**भारतीयदर्शनस्य इतिहासः** - सर्वेषाम् आस्तिकदर्शनानां प्रमुखाः अवधारणाः ।	12
II.	**तर्कभाषा-केशवमिश्रः** - आदितः प्रत्यक्ष-प्रमाणपर्यन्तम् ।	12
III.	**तर्कभाषा-केशव मिश्रः** - अनुमानप्रमाणतः अर्थापत्ति-प्रमाणं पर्यन्तम् ।	12
IV.	**सांख्यकारिका-ईश्वरकृष्णः** - कारिका 1-30 यावत् ।	12
V.	**सांख्यकारिका-ईश्वरकृष्णः** - कारिका 31तः समाप्तिपर्यन्तम् ।	12

Teaching Learning Process: Lectures, Class Discussions, Power-point Presentations, Class Activities/Assignments, etc.

Suggested Readings:

संस्तुत-ग्रन्था:

1. तर्कभाषा, आचार्य विश्वेश्वर, ज्ञान मंडल प्रकाशन, वाराणसी।
2. तर्कभाषा, आचार्य श्रीनिवास शास्त्री, साहित्य भंडार, मेरठ।
3. तर्कभाषा, राकेश शास्त्री।
4. सांख्यकारिका, आद्या प्रसाद मिश्र, इलाहाबाद।
5. सांख्यकारिका, डॉ हरिदत्त शास्त्री, साहित्य भंडार, मेरठ।
6. सांख्यकारिका, ज्ञान प्रकाशन, मेरठ।
7. सांख्यकारिका, राकेश शास्त्री।
8. भारतीय दर्शन, बलदेव उपाध्याय, शारदा मंडल, वाराणसी।
9. भारतीय दर्शन, उमेश मिश्र, हिंदी संस्थान लखनऊ।
10. भारतीय दर्शन, श्रीकांत पांडेय, साहित्य भंडार मेरठ।
11. सांख्य दर्शन का इतिहास, उदयवीर शास्त्री, विरजानंद वैदिक संस्थान, ज्वालापुर।

This course can be opted as an elective/ value added course by the students of following subjects: Open for all सभी के लिए उपलब्ध .....

Suggested Continuous Evaluation Methods:

प्रस्तावित सतत -मूल्याङ्कन-

(क) लिखितपरीक्षा 10 अङ्क

(ख) पाठ्यक्रम में निर्धारित ग्रन्थाधारित अधिन्यास (असाइनमेंट) 15 अङ्क

अथवा

विषय से सम्बन्द्धित शोधपत्रवाचन

Course prerequisites: सभी के लिए उपलब्ध सर्वेषां कृते .....

Suggested equivalent online courses: .....

Further Suggestions: .....

Programme/Class: FYUGP	**B.A. Honours/Honours with Research वर्षम्- चतुर्थम्**	Semester : **VII** सत्रम्-सप्तमम्
Subject: **संस्कृतम्**		
Course Code: 0710224	**Course Title : शोध-प्रविधिः ।**	**Theory**

Course outcomes:

अधिगम- उपलब्धय:

1. कः शोधः? किं विधिः शोधस्य? कस्यापि शोधविषयस्य चयनं कथं कुर्यात् शोधार्थी? विषयं चेतुं किं किम् अवधेयं विशेषतया, एतादृशाः बहवः प्रश्नाः, येषां समाधानं शोधकरणाय अपरिहार्यम् ।
2. शोधसंबद्धानां विविधग्रन्थानां संकलनं कथं कुतश्च कर्तुं शक्यते इत्यपि ज्ञानं शोधप्रविधिपठनेन भवति ।
3. संस्कृतशोधस्य पुरातनानां नूतनानां क्षेत्राणां परिचयं प्राप्स्यन्ति ।
4. शोधस्य महत्तां परिज्ञाय छात्राः शोधकार्यार्थं समुत्सुकाः भविष्यन्ति ।
5. संस्कृतशोधक्षेत्रे सङ्गणक-उपयोगः अतीवसहायकः इत्यपि ज्ञास्यन्ति ।

Credits: 4	**Core Compulsory**
Max. Marks: 25+75	**Min. Passing Marks: 40**

Total No. of Lectures : Tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P: 4-0-0 or 3-1-0 Etc.

Unit	Topics	No. of Lectures Total - 60
I	**शोधस्य (अनुसन्धानस्य) स्वरूपम्, सामान्यः परिचयः, शोध-समानार्थकाः शब्दाः** (अन्वेषणम्, गवेषणम्, अनुशीलनम्, परिशीलनम्, समीक्षा, आलोचना, पर्यालोचनम् इत्यादयः), **शोधस्य उद्देश्यं महत्त्वञ्च ।**	12
II	**संस्कृत-अनुसन्धानस्य उद्देश्यं क्षेत्रञ्च ।**	12
III	**शोधसर्वेक्षण-**स्वरूपम् उपयोगिता महत्त्वञ्च । **पुस्तकसमीक्षा ।**	12
IV	**शोधकार्यस्य रूपरेखा, संदर्भग्रन्थानां सूची-निर्माणस्य प्रक्रिया ।**	12
V	**शोधकार्ये सङ्गणकस्य प्रयोगः-** Introduction of computer, Basic usage-email, social media.	12

Teaching Learning Process: Lectures, Class Discussions, Demonstrations, Powerpoint Presentations, Class Activities/ Assignments, Field Visits etc.

Suggested Readings:

संस्तुत-ग्रन्था:

1. शोध प्रविधि, डॉ विजय मोहन शर्मा, नेशनल पब्लिकेशन हाउस दिल्ली।
2. नवीन शोध विज्ञान, डॉ तिलक सिंह।
3. संस्कृत शोध प्रविधि, डॉ प्रभु नाथ द्विवेदी, संस्कृत संस्थान वाराणसी।
4. अनुसन्धानस्य प्रविधि-प्रक्रिया, डॉ नागेंद्र राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान दिल्ली।
5. शोध प्रविधि एवं पांडुलिपि विज्ञान - प्रोफेसर अभिराज राजेंद्र मिश्र, अक्षय वट प्रकाशन, इलाहाबाद
6. साहित्यिक अनुसन्धान के आयाम, डॉ रविंद्र कुमार जैन, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दरियागंज, नई दिल्ली।
7. संस्कृत आलोचना की भूमिका,अवधेश कुमार सिंह,राष्ट्रीय पुस्तक न्यास,नई दिल्ली
8. शोध- स्वरूप एवं मानक व्यावहारिक कार्यविधि, बैजनाथ सिंहल,वाणी प्रकाशन,दरियागंज नई दिल्ली
9. Research and publication ethics, Dr. S B Kishor, Dr. Ajay Kushwaha, Dr. Geetanjali J. Das Ganu Prakashan, Pratibha Book Distributors, Nagpur.

This course can be opted as an elective/ value added course by the students of following subjects: Open for all सभी के लिए उपलब्ध - सर्वेषां कृते .....

Suggested Continuous Evaluation Methods:

प्रस्तावित सतत-मूल्याङ्कन -

(क) लिखितपरीक्षा 10 अङ्क

(ख) पाठ्यक्रम में निर्धारित ग्रन्थाधारित अधिन्यास (असाइनमेंट) 15 अङ्क

अथवा

पुस्तक- समीक्षा अथवा शोधविषयसंबद्धा संदर्भ -ग्रन्थसूची

Course prerequisites: सभी के लिए उपलब्ध .....

Suggested equivalent online courses: .....

Further Suggestions .....

Programme/Class: FYUGP	B.A Honours वर्षम्- चतुर्थम्	Semester: VIII सत्रम्- अष्टमम्
Subject: संस्कृतम्		
Course Code: 0710225	Course Title: प्राकृतसाहित्यं व्याकरणञ्च ।	Theory

Course outcomes:

अधिगम-उपलब्धयः -

1. प्राकृतभाषायाः साहित्यस्य च परिचयं प्राप्स्यन्ति ।
2. प्राकृतव्याकरणस्य अध्ययनं शोधस्य कृते आधारो भविष्यति ।
3. विद्यार्थिनः सट्टकविधायाः परिचयं प्राप्स्यन्ति ।
4. वर्तमानकालपर्यन्तं भाषाविकासक्रमस्य ज्ञानं रुचिकरं भविष्यति ।
5. प्राकृतसंस्कृतयोः व्याकरणज्ञानं भाषाविषयकं नैपुण्यं जनयिष्यति ।

Credits: 4	Core Compulsory
Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks: 40

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P: 4-0-0 or 3-1-0 Etc.

Unit	Topics	No. of Lectures Total- 60
I	**कर्पूरमञ्जरी-** प्रथमजवनिका ।	12
II	**कर्पूरमञ्जरी-** द्वितीयजवनिका ।	12
III	**कर्पूरमञ्जरी** – तृतीय-चतुर्थजवनिके ।	12
IV	**प्राकृतव्याकरणम्** - प्राकृत व्याकरण-प्रवेशिका ।	12
V	**प्राकृतसाहित्येतिहासः** ।	12

Teaching Learning Process: - lecture, Class discussions/demonstrations, Power-point presentations, Class activities/assignments etc.

Suggested Readings:

संस्तुतग्रन्थाः -

1. कर्पूरमञ्जरी राजशेखर, श्री रामकुमार आचार्यः, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी ।
2. कर्पूरमञ्जरी, पं परमेश्वरदीन पांडेय कृष्णदास अकादमी, वाराणसी ।
3. कर्पूरमञ्जरी, चुन्नीलाल शुक्ल ।
4. प्राकृत प्रकाश, आचार्य बलदेव उपाध्याय,सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी ।
5. प्राकृत व्याकरण, मिश्र मधुसूदनप्रसाद, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी ।

6. प्राकृत व्याकरण प्रवेशिका, सत्यरंजन बनर्जी, भोगीलाल लहेरचन्द इन्सटीट्यूट आफ इण्डोलॉजी, दिल्ली। राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, दिल्ली। 7. प्राकृत भाषा और साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, डॉ नेमिचन्द्र शास्त्री तारा पब्लिकेशन, वाराणसी।
This course can be opted as an elective/ value added course by the students of following subjects: **Open for all - सभी के लिए उपलब्ध** सर्वेषां कृते
Suggested Continuous Evaluation Methods: **प्रस्तावित सतत मूल्याङ्कन-** **(क)** लिखितपरीक्षा 10 अङ्क **(क)** पाठ्यक्रम मे निर्धारित ग्रन्थों पर आधारित अधिन्यास (असाइनमेंट) 15 अङ्क **अथवा** विषय से सम्बद्ध शोधपत्र वाचन
Course prerequisites: open for all- सबके लिए उपलब्ध - सर्वेषां कृते .....
Suggested equivalent online courses: .....
Further Suggestions: .....

Programme/Class: FYUGP	B.A. Honours with Research वर्षम्- चतुर्थम्	Semester-VII सत्रम्-सप्तमम्
Subject: संस्कृतम्		
Course Code: 0710265	Course Title: परियोजनात्मकं कार्यम् ।	Practical

Course outcomes:

अधिगम- उपलब्धय:

1. विद्यार्थिषु शोधपरा दृष्टिः विकसिष्यति ।
2. शोधकार्यं प्रति छात्राणां रुचिर्जागरिष्यति ।
3. शोधस्य अनन्ताभिः संभावनाभिः परिचिताः भविष्यन्ति ।
4. शोधकार्यं प्रति आत्मविश्वास आगमिष्यति विद्यार्थिषु ।
5. उत्तमानुसंधानकार्यस्य विविधाभिः विधाभिः सुपरिचिताः भूय उत्कृष्टशोधे संलग्नाः भविष्यन्ति ।

Credits: 4	Optional
Max. Marks: 100	Min. Passing Marks: 40

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P: 4-0-0 or 3-1-0 Etc.

Unit	Topics	No. of Lectures Total-60
I	परियोजनात्मकं कार्यम्/सर्वेक्षणम्/आधारभूतसामग्रीसंग्रहणम् /पुस्तकसमीक्षा	60

Teaching Learning Process: Lectures, Class Discussions, Power-point Presentations, Class Activities/Assignments, etc.

Suggested Readings:

संस्तुत-ग्रन्था:

1. शोधस्वरूप एवं मानक व्यावहारिक कार्यविधि, बैजनाथ सिंघल वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
2. अनुसन्धान का विवेचन, उदय भानु सिंह ।
3. शोध-प्रविधि, विनय मोहन शर्मा ।
4. शोध -प्रक्रिया और विवरणिका, सावित्री सिन्हा व विजयेंद्र स्नातक ।

This course can be opted as an elective/ value added course by the students of following subjects: Open for all सभी के लिए उपलब्ध सर्वेषां कृते .....

Suggested Continuous Evaluation Methods: प्रस्तावित सतत-मूल्याङ्कन -

परियोजनात्मककार्यम्/सर्वेक्षणम्/आधारभूतसामग्रीसंग्रहणम्/पुस्तक- समीक्षा 100 अङ्क

Course prerequisites: सभी के लिए उपलब्ध सर्वेषां कृते .....

Suggested equivalent online courses : .....

Further Suggestions : .....

Programme/Class: FYUGP	B.A. Honours/Honours with Research वर्षं चतुर्थम्	Semester : VIII सत्रम् - अष्टमम्
Subject: संस्कृतम्		
Course Code: 0810201	Course Title : संस्कृतमहाकाव्यम्-इतिहासश्च ।	Theory

Course outcomes:

अधिगम- उपलब्धय:

1. विद्यार्थिन: संस्कृतमहाकाव्यानां महत्याः परम्पराया: ज्ञानं प्राप्स्यन्ति ।
2. पद्यसाहित्यस्य सुगीतात्मताया: सौन्दर्यबोधं कर्तुं शक्ष्यन्ति ।
3. काव्ये निहितानां रस-छन्दस्-अलंकारादितत्त्वानां परिशीलनयोग्यताम् अवाप्स्यन्ति ।
4. तत्र विद्यमानानां सूक्तीनां सुभाषितवाक्यानाञ्च माध्यमेन विद्यार्थिनां नैतिकी चारित्रिकी च उन्नतिर्भविष्यति ।
5. तेषां शब्दकोष: समृद्धो भविष्यति अपि च संस्कृतश्लोकानां शुद्धोच्चारणकौशले निपुणा: भविष्यन्ति ।
6. सम्बन्धितमहाकाव्यकालस्य सामाजिकसंस्कृतेश्च परिचयं प्राप्स्यन्ति ।

Credits: 4	Core Compulsory
Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks: 40

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P: 4-0-0 or 3-1-0 Etc.

Unit	Topics	No. of Lectures Total- 60
I.	**बुद्धचरितम्** - प्रथम: सर्गः । (01-40)	12
II.	**किरातार्जुनीयम्** - प्रथम: सर्गः ।	12
III.	**शिशुपालवधम्** - प्रथम: सर्गः।	12
IV.	**नैषधीयचरितम्** - प्रथम: सर्गः । (1-50)	12
V.	**संस्कृतमहाकाव्येतिहासः ।**	12

Teaching Learning Process: Lectures, Class Discussions, Powerpoint Presentations, Class Activities/Assignments, etc.

Suggested Readings:

संस्तुत-ग्रन्था:

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास, डा० बलदेव उपाध्याय चौखम्बा प्रकाशन वाराणसी ।
2. संस्कृत साहित्य का इतिहास, उमाशंकर शर्मा 'ऋषि' चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी पुनर्मुद्रित - 2012 ।
3. संस्कृत साहित्य का इतिहास, वाचस्पति गैरोला, चौखम्बाविद्याभवन वाराणसी, पञ्चम संस्करण, 1997 ।

4. संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास, डॉ कपिलदेव द्विवेदी,रामनारायणलाल विजयकुमार, २ कटरा रोड, इलाहाबाद।
5. संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास,प्रो राधावल्लभ त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी।
6. किरातार्जुनीयम्, प्रथम सर्ग, अभिराज डॉ राजेन्द्र मिश्र, अक्षयवट प्रकाशन मंदिर, इलाहाबाद।
7. किरातार्जुनीयम्, श्रीबदरीनारायण मिश्र, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
8. किरातार्जुनीयम्, डॉ सुधाकर मालवीय:, चौखम्बा कृष्णदास अकादमी, वाराणसी।
9. शिशुपालवधम्, अनु० श्री राम प्रसाद त्रिपाठी, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।
10. शुशुपालवधम्, रामनाथ सुमन, ई-पुस्तकालय।
11. नैषधीयचरितम्, साहित्यभण्डार मेरठ।
12. नैषधीयचरितम्, नारायणी टीका राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान दिल्ली।
13. नैषधीयचरितम्, हरगोविन्द शास्त्री, चौखम्बा संस्कृत सीरीज वाराणसी।
14. संस्कृत साहित्य की रूपरेखा, श्री शेखर पाण्डे, साहित्यभण्डार मेरठ।
15. बुद्धचरितम्,डॉ जयनारायण शुक्ल, हंसा प्रकाशन,जयपुर।
16. बुद्धचरितम् महन्त श्रीरामचन्द्रदास शास्त्री, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।

This course can be opted as an elective/ value added course by the students of following subjects: Open for all सभी के लिए उपलब्ध सर्वेषां कृते .....

Suggested Continuous Evaluation Methods:

प्रस्तावित सतत मूल्याङ्कन -

(ख) लिखितपरीक्षा 10 अङ्क

(क) पाठ्यक्रमे निर्धारितग्रन्थाधारित अधिन्यास (असाइनमेंट) 15 अङ्क

अथवा

विषय से सम्बद्ध शोधपत्रवाचन

Course prerequisites: सभी के लिए उपलब्ध सर्वेषां कृते .....

Suggested equivalent online courses:.....

Further Suggestions: .....

Programme/Class: FYUGP	**B.A Honours/Honours with Research** **वर्षम् - चतुर्थम्**	Semester: VIII **सत्रम्-अष्टमम्**
Subject: **संस्कृतम्**		
Course Code: 0810202	Course Title: **संस्कृतकाव्यशास्त्रम्।**	**Theory**

Course outcomes:

अधिगम- उपलब्धय:

1. विद्यार्थिन: संस्कृतकाव्यशास्त्रस्य प्रमुखग्रन्थानां काव्यशास्त्रकाराणां च परिचयं प्राप्स्यन्ति।
2. काव्यस्वरूपं काव्यभेदान् च विज्ञाय काव्यस्य मूलभूततत्त्वानां बोधम् अवाप्स्यन्ति।
3. रसस्य समुचितव्याख्यां ज्ञात्वा काव्यरसास्वादननैपुण्यं प्राप्स्यन्ति।
4. अलंकाराणां परिशीलनेन विविधकाव्येषु समागतान् अलंकारान् ज्ञातुं शक्ष्यन्ति।
5. काव्यशास्त्रीय- सिद्धान्तावबोधनेन अस्मिन् विषये शोधकार्यं प्रति रुचिर्जागरिष्यति।
6. कवित्वशक्ते: परिष्कार: संवर्धनञ्च भविष्यति।

Credits: 4	**Core Compulsory**
Max. Marks: 25+75	**Min. Passing Marks: 40**

Total No. of Lectures : Tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P: 4-0-0 or 3-1-0 Etc.

Unit	Topics	No. of Lectures Total - 60
I.	**काव्यप्रकाश:** - प्रथम: उल्लास:।	12
II.	**काव्यप्रकाश:** - द्वितीय: तृतीयश्च उल्लास:।	12
III.	**काव्यप्रकाश:-** चतुर्थोल्लासत:- अभिनवगुप्ताचार्यस्य रससूत्रव्याख्या पर्यन्तम्।	12
IV.	**काव्यप्रकाश:** - सप्तमोल्लासत: - रसदोषा:।	12
V.	**अलंकारा: -** **नवमोल्लासत:** - अनुप्रास:, यमकम्, श्लेष:। **दशमोल्लासत:** - उपमा, रूपकम्, उत्प्रेक्षा, समासोक्ति:, अर्थान्तरन्यास:, दृष्टान्त:, विभावना, विशेषोक्ति:, निदर्शना, स्वभावोक्ति:, विरोधाभास:, संकर:, संसृष्टिश्च।	12

Teaching Learning Process : Lectures, Class Discussions, Powerpoint Presentations, Class Activities/Assignments, etc.

Suggested Readings:

संस्तुत-ग्रन्था:

1. काव्यप्रकाश - वामन झलकीकर टीका, भंडारकर, प्राव्यविद्या संस्थान, पुणे 1965।
2. काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, ज्ञान मण्डल वाराणसी 1960।
3. काव्यप्रकाश - श्री निवास शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ।
4. काव्यप्रकाश - पारसनाथ द्विवेदी, वाराणसी।
5. काव्यप्रकाश - डॉ० सत्यव्रत सिंह, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी 1955।
6. काव्यशास्त्र का इतिहास- डॉ० सत्यदेव चौधरी, दिल्ली।
7. काव्यशास्त्र का इतिहास - एस. के. डे.।
8. The Kavyaprakash of Mammata [Part 1] - Ed. G.N. Jha, Varanasi, 1967.

This course can be opted as an elective/ value added course by the students of following subjects: Open for all सभी के लिए उपलब्ध .....

Suggested Continuous Evaluation Methods:

प्रस्तावित सतत-मूल्याङ्कन

(क) लिखितपरीक्षा 10 अङ्क

(ख) पाठ्यक्रम में निर्धारित ग्रन्थाधारित अधिन्यास (असाइनमेंट) 15 अङ्क

अथवा

विषयसम्बद्धं शोधपत्रवाचनम्

Course prerequisites: सर्वेषां कृते .....

Suggested equivalent online courses: .....

Further Suggestions : .....

Programme/Class: FYUGP	B.A. Honours/Honours with Research वर्षं चतुर्थम्	Semester: VIII सत्रम्-अष्टमम्
Subject: संस्कृतम्		
Course Code - 0810203	Course Title: व्याकरणं-निबन्धानुवादश्च	Theory

Course outcomes:

अधिगम- उपलब्धय:

1. व्याकरणं समेषां शास्त्राणामाधारभूतम् ।
2. व्याकरणज्ञानेन अन्येषां ग्रन्थानामध्ययने सौकर्यं भविष्यति ।
3. विभक्तिज्ञानेन संस्कृतसम्भाषणं सरलं जायते ।
4. कारकपठनं साहित्यप्रवेशाय आवश्यकम् ।
5. निबन्धाध्ययनेन कस्मिन्नपि विषये सुदृढा: सूचना: लभन्ते पठका: ।
6. साहित्ये प्रवेशाय अनुवाद: आधारस्तम्भ: ।
7. उपपदविभक्तीनां ज्ञानं भाषां सुदृढीकरोति ।

Credits: 4	Core Compulsory
Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks: 40

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P: 4-0-0 or 3-1-0 Etc.

Unit	Topics	No. of Lectures Total- 60
I.	प्रथमा द्वितीया तृतीया विभक्तय: ।	12
II.	चतुर्थी पञ्चमी सप्तमी च ।	12
III.	षष्ठी विभक्ति: ।	12
IV.	निबन्धा: । (वेद:, उपनिषद्, षड्दर्शनानि, संस्कृतभाषा, भारतीयसंस्कृति:, कालिदास:, भवभूति:, श्रीहर्ष:, माघ:, बाणभट्ट: ।)	12
V.	अनुवाद: । (संस्कृत-हिन्दी, हिन्दी-संस्कृत)	12

Teaching Learning Process : Lectures, Class Discussions, Power-point Presentations, Class Activities/Assignments, etc.

Suggested Readings:

संस्तुत-ग्रन्था:

1. वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी- भट्टोजिदीक्षित: ।

2. संस्कृतव्याकरणम्-श्रीनिवासशास्त्री।
3. संस्कृतव्याकरणम्- मधु सक्सेना।
4. निबन्धशतकम्- कपिलदेवद्विवेदी।
5. संस्कृतनिबन्धपारिजातम्- डा. गणेशदत्त शर्मा।
6. संस्कृतनिबन्धरत्नाकरः- डा. शिवप्रसाद भारद्वाज।
7. संस्कृतरचनानुवादकौमुदी- डा. कपिलदेव द्विवेदी।
8. अनुवादचन्द्रिका- श्री चक्रधर नौटियाल।
9. संस्कृतरचनानुवादप्रभा- डा. श्रीनिवास शास्त्री।

This course can be opted as an elective/ value added course by the students of following subjects: Open for all -सभी के लिए उपलब्ध - सर्वेषां कृते

Suggested Continuous Evaluation Methods:

प्रस्तावित सतत-मूल्याङ्कन -

(क) लिखितपरीक्षा 10 अङ्क

(ख) पाठ्यक्रम में निर्धारित ग्रन्थाधारित अधिन्यास (असाइनमेंट) 15 अङ्क

अथवा

विषयसम्बद्धं शोधपत्रवाचनम्

Course prerequisites: **सभी के लिए उपलब्ध सर्वेषां कृते** .....

Suggested equivalent online courses:

Swayamhttps://onlinecourses-swayam2-ac-in.translate.goog/cec21_lg04/preview?_x_tr_sl=en&_x_tr_tl=hi&_x_tr_hl=hi&_x_tr_pto=tc

https://www.careers360.com/university/indian-institute-of-technology-kharagpur/advanced-level-of-spoken-sanskrit-certification-course

Further Suggestions: .....

Programme/Class : FYUGP	B.A. Honours वर्षं चतुर्थम्	Semester: VIII सत्रम् - अष्टमम्
Subject: संस्कृतम्		
Course Code : 0810204	**Course Title : पालिसाहित्यं व्याकरणञ्च।**	**Theory**

Course outcomes:

संस्तुतग्रन्थाः -

1. धम्मपदाध्ययनेन जीवनं प्रति स्वच्छा दृष्टिर्विकसिष्यति।

2. विद्यार्थिन: पालिसाहित्यस्य विषये ज्ञास्यन्ति ।
3. व्याकरणज्ञानेन पालिभाषाया: वैशिष्ट्यम् अवगमिष्यन्ति ।
4. गौतमबुद्धस्य उपदेशानां सम्यगनुशीलनं कर्तुं शक्ष्यन्ति ।
5. स्वजीवने धम्मपदे वर्णितस्य ज्ञानस्य उपयोगितां ज्ञास्यन्ति ।
6. भाषावैज्ञानिकी दृष्ट्याऽपि इदमध्ययनम् उपयोगि वर्तते ।

Credits: 4	Core Compulsory
Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks: 40

Total No. of Lectures : Tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P: 4-0-0 or 3-1-0 Etc.

Unit	Topics	No. of Lectures Total- 60
I	**धम्मपद** (1-5 वग्गा:) ।	12
II	**धम्मपद** (6-10 वग्गा:) ।	12
III	**धम्मपद** (11-15 वग्गा:) ।	12
IV	**पालिव्याकरणम्** (सन्धि-समास-शब्दरूप-धातुरूपादिसम्बन्धिनियमा:)	12
V	**पालिसाहित्येतिहास:** ।	12

Teaching Learning Process: - lecture, Class discussions/demonstrations, Power point presentations, Class activities/assignments etc.

Suggested Readings:

संस्तुतग्रन्था: -

1. धम्मपद, डॉ० त्रिपिटकाचार्य भिक्षु धर्मरक्षित,मास्टर खेलाडीलाल संकटाप्रसाद संस्कृत पुस्तकालय,कचौडी गली,वाराणसी ।
2. धम्मपद डॉ० भिक्षु धर्मरक्षित, मोतीलाल बनारसीदास पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड ।
3. पालि व्याकरण, भिक्षु धर्मरक्षित, वाराणसी ज्ञानमण्डल लिमिटेड (ई पुस्तकालय) ।
4. बौद्धभारतीग्रन्थमाला-१० पालिव्याकरण,सम्पादक तथा अनुवादक स्वामीद्वारिकानाथ शास्त्री, बौद्धभारती वाराणसी, चौखम्बा विद्याभवन ।
5. पालि व्याकरण, डॉ रामअवध पाण्डेय डॉ रविनाथ मिश्र, मोतीलाल बनारसीदास ।
6. पालि महाव्याकरण,भिक्षु धर्मरक्षित ।
7. पालि साहित्य का इतिहास, डॉ भरतसिंह उपाध्याय,अध्यक्ष हिन्दी विभाग, जैन कालेज, बडौत, हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग ।

8. पालि भाषा और साहित्य, इन्द्र चंद्र शास्त्री, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली यूनिवर्सिटी।
This course can be opted as an elective/ value added course by the students of following subjects: Open for all - सभी के लिए उपलब्ध- सर्वेषां कृते .....
Suggested Continuous Evaluation Methods: **प्रस्तावितं सततं मूल्यांकनम्-** **(क)** पाठ्यक्रमे निर्धारित-ग्रन्थेषु आधारित अधिन्यासः (असाइनमेंट) 15 अङ्क **अथवा** विषयसंबद्धं शोधपत्रवाचनम् **(ख)** लिखितपरीक्षा (वस्तुनिष्ठा लघूत्तरीया वा) 10 अङ्क
Course prerequisites: open for all- सभी के लिए उपलब्ध - सर्वेषां कृते .....
Suggested equivalent online courses: .....
Further Suggestions: .....

Programme/Class: FYUGP	B.A. Honours/Honours with Research वर्षं चतुर्थम्	Semester : VIII सत्रम् - अष्टमम्
Subject: संस्कृतम्		
Course Code: 0810205	Course Title: योग: प्राकृतिक-चिकित्सा च	Theory

Course outcomes:

अधिगम उपलब्धय:

1. आरोग्यं विना न किमपि सिध्यति, यतोहि 'शरीरमाद्यं खलु धर्मसाधनम्'।
2. विद्यार्थिनो योगस्य प्राकृतिकचिकित्सायाश्च सिद्धान्तानां विषये ज्ञास्यन्ति।
3. योगवाशिष्ठानुसारं किं स्वास्थ्यम्? कश्च रोग:? इति ज्ञातुं शक्ष्यन्ति।
4. प्राकृतिकचिकित्सायां वर्णितान् उपचारविधीन् अवगमिष्यन्ति।
5. प्रोत्साहक-निवारक-उपचारात्मक- पुनर्वासचिकित्सायां योगप्राकृतिकचिकित्सायाश्च उपचारात्मकपक्षम् उपयोक्तुं शक्ष्यन्ति।
6. प्रौद्योगिक-क्षेत्रे आयुर्वैदिकचिकित्सकरूपेण,फिटनेस वेलनेस कोच इति नाम्ना प्रसिद्धाम् आजीविकां प्राप्तुं शक्ष्यन्ति।

Credits: 5	Core Compulsory
Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks: 40

Total No. of Lectures : Tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P: 4-0-0 or 3-1-0 Etc.

Unit	Topics	No. of Lectures Total 60.
I	**योग: प्राकृतिकचिकित्सा च** - मूल विषय:, परिभाषा:, सामान्य-परिचय:, इतिहास:, अनयो: सम्बन्धश्च। **योगचिकित्सा** - अर्थ:,उद्देश्य:, अवधानम्, आवश्यकता च। **प्राकृतिकचिकित्सा**- अर्थ:, उद्देश्य:, सिद्धान्ता:, आधुनिके समये आवश्यकता च।	15
II	**योगानुसारं स्वास्थ्यस्य रोगस्य च अवधारणा।** **योगवाशिष्ठ:**- आधिजानाम् अनाधिजानाञ्च व्याधीनाम् अवधारणा, समग्रस्वास्थ्य-विषयिकी पञ्चकोश-अवधारणा।	10
III	**जलचिकित्सा** – जलस्य महत्त्वं, जलस्य गुणा:, विभिन्नतापक्रमयुक्तानां जलानां शरीरे प्रभाव:, जलचिकित्साया: सिद्धान्ता:, जलपानञ्च।	15

IV	प्राकृतिकस्नानम्, साधारणं घर्षण-स्नानञ्च, कटि-स्नानम्, वाष्प-स्नानम्, उष्णपाद-स्नानम्, जल-पट्टिका: (पट्टियां) ।	10
V	**मृत्तिकाचिकित्सा** - मृत्तिकाया: महत्त्वम्, प्रकारा: गुणाश्च । शरीरे मृत्तिकाया: प्रभाव:, मृत्तिकाचिकित्सायाः विविधविध: ।	10

Teaching Learning Process: lecture, Class discussions/ demonstrations, Power-point presentations, Class activities/ assignments, Field Visits, Internship, etc.

Suggested Readings:

संस्तुत ग्रन्था:

1. डॉ. स्वामी कर्मानंद, सामान्य रोगों का योगिक प्रबंधन ।
2. बृज भूषण गोयल, प्राकृतिक चिकित्सा और योग का रहस्य ।
3. के.एस. जोशी, योग और प्राकृतिक उपचार चिकित्सा ।

This course can be opted as an elective/ value added course by the students of following subjects: **Open for all- सर्वेषां कृते** सभी के लिए उपलब्ध .....

Suggested Continuous Evaluation Methods:

प्रस्तावित सतत- मूल्याङ्कन -

(क) लिखितपरीक्षा 10 अङ्क

(ख) पाठ्यक्रमे निर्धारितग्रन्थाधारित अधिन्यास: (असाइनमेंट) 15 अङ्क

अथवा

विषयसम्बद्धं शोधपत्रवाचनम्

Course prerequisites: सर्वेषां कृते .....

Suggested equivalent online courses: .....

Further Suggestions : .....

Programme/Class: FYUGP	B.A. Honours/Honours with Research वर्षं चतुर्थम्	Semester: VIII सत्रम् - अष्टमम्
Subject: संस्कृतम्		
Course Code: 0810206	Course Title: आयुर्वेद: स्वास्थ्यविज्ञानञ्च	Theory

Course outcomes:

अधिगम-उपलब्धय: -

1. विद्यार्थिन: आयुर्वेदविषयं पठित्वा स्वास्थ्यस्य रोगस्य च अवधारणयोर्ज्ञानं प्राप्स्यन्ति।
2. दिनचर्याम् ऋतुचर्याञ्च ज्ञात्वा रोगाणाम् उपचाराय स्वास्थ्यरक्षणाय च कौशलयुक्ता: भविष्यन्ति।
3. स्वस्थजीवनशैल्या: संबद्धान् आयुर्वेदसिद्धान्तान् अधिगमिष्यन्ति।
4. दोषत्रयस्य विविधान् पक्षान् ज्ञास्यन्ति।
5. षड्रस-अवधारणाश्रिते संतुलित-आहारविषये सम्यक् ज्ञानं प्राप्स्यन्ति।

Credits: 4	Core Compulsory
Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks: 40

Total No. of Lectures : Tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P: 4-0-0 or 3-1-0 Etc.

Unit	Topics	No. of Lectures Total - 60
I	**आयुर्वेद:** – सामान्य: परिचय:, इतिहास:, शाखा: उद्देश्याश्च।	12
II	**स्वास्थ्यं तथा रोग:** – अवधारणा, परिचय:, परिभाषा, स्वास्थ्यस्य आयामा: रोगप्रकाराश्च।	12
III	**दिनचर्यासिद्धान्ता:, व्यायाम:, अभ्यङ्गं तथा स्नान-अवधारणा।**	12
IV	**ऋतुचर्या-** अवधारणा, सिद्धान्ता:, उद्देश्या:, विभाजनं प्रकाराश्च।	12
V	**त्रिदोष-षड्रस-आहारादीनाञ्च सामान्य: परिचय:, ऋतु-अनुसारम् आहार:, त्रिदोष-गुण-रस-द्रव्याधारिता: आहारा: ।**	12

Teaching Learning Process: lecture, Class discussions/ demonstrations, Powerpoint presentations, Class activities/ assignments, Field visits., Internship, etc.

Suggested Readings:

संस्तुत -ग्रन्था:

1. Prof. Ramharsh Singh: स्वस्थवृत्त विज्ञान, Chaukhambha Publication, 2020.
2. Dr. Shanker Lal Burdak and Dr. Rameshwar Lal: अष्टाङ्गहृदयम् (Hindi Version), Ayurveda Sanskrit Hindi Pustak Bhandaar, 2019.

3. Dr. Bargale Sushant Sukumar and Dr. Shashirekha H.K.: Textbook of Swasthavritta, Chaukhambha Publications, 2016.
4. Dr. Heeralal: Swastha Aahar (Healthy Food), Swastha Prakashan Unnav, 1977.
5. Vitthaldas Modi: रोगों की सरल चिकित्सा, Penguin Books India Pvt Ltd, 2019.

This course can be opted as an elective/ value added course by the students of following subjects: Open for all सभी के लिए उपलब्ध सर्वेषां कृते

.....

Suggested Continuous Evaluation Methods:

प्रस्तावित सतत-मूल्याङ्कन -

(क) लिखितपरीक्षा 15 अङ्क

(ख) पाठ्यक्रम में निर्धारित ग्रन्थाधारित अधिन्यास (असाइनमेंट) 10 अङ्क

अथवा

विषयसम्बद्धं शोधपत्रवाचनम्

Course prerequisites: सर्वेषां कृते .....

Suggested equivalent online courses: .....

Further Suggestions : .....

Programme/Class:FYUGP	B.A Honours/Honours with Research वर्षं चतुर्थम्	Semester: VIII सत्रम् - अष्टम
Subject: संस्कृतम्		
Course Code: 0810207	Course Title: आधुनिकं संस्कृतसाहित्यं नव-प्रवृत्तयश्च	Theory

Course outcomes:

अधिगम- उपलब्धय:

1. विद्यार्थिन: संस्कृतभाषायां वर्तमानस्य आधुनिकसंस्कृतसाहित्यस्य वैविध्यम् अवगन्तुं शक्ष्यन्ति।
2. साम्प्रतिकविषयानवलम्ब्य कृतं साहित्यं पापठ्य ते गौरवम् अनुभविष्यन्ति।
3. आधुनिकसंस्कृतसाहित्ये विद्यमाना: सामाजिकविषया: युगबोधं कारयिष्यन्ति।
4. संस्कृतगीतिषु कवितासु च विद्यमानाया: सुगीतात्मकताया: सौंदर्यबोधं कर्तुं शक्ष्यन्ति |
5. विद्यार्थिनां शब्दकोशे वृद्धिर्भविष्यति अपि च ते संस्कृतकाव्यस्य शुद्धेन सस्वरेण च उच्चारणेन आनन्दसन्दोहमनुभविष्यन्ति।
6. विद्यार्थिषु रचनात्मकता विकसिष्यति।

Credits: 4	Core Compulsory
Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks: 40

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P: 4-0-0 or 3-1-0 Etc.

Unit	Topics	No. of Lectures Total- 60
I.	स्वान्त्रन्त्यसम्भवं महाकाव्यम् - प्रथमः सर्गः।	12
II.	द्राक्षावल्ली – (प्रत्येकं कवेः प्रथमे द्वे कविते, 01-09)।	12
III.	द्राक्षावल्ली – (10-18)।	12
IV.	द्राक्षावल्ली – (19-26)।	12
V.	आधुनिकं संस्कृतसाहित्ये नव-प्रवृत्तय:।	12

Teaching Learning Process: Lectures, Class Discussions, Power-point Presentations, Class Activities/Assignments, etc.

Suggested Readings: संस्तुत-ग्रन्था:

1. स्वातन्त्र्यसम्भवं महाकाव्यम्, आचार्य रेवाप्रसाद द्विवेदी, कालिदास संस्थानम्

2. द्राक्षावल्ली,संकलयिता सम्पादकश्च हर्षदेवमाधवः, साहित्य अकादमी दिल्ली
3. संस्कृत साहित्य : बीसवीं शताब्दी,प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, राष्ट्रिय- संस्कृत- संस्थानम्
4. आधुनिक संस्कृत साहित्य, मैत्रेयी कुमारी,ग्रन्थ भारती प्रकाशन
5. आधुनिक-संस्कृत-साहित्य, सम्पादक महामहोपाध्याय आचार्य दयानन्द भार्गव, हंसा प्रकाशन जयपुर
6. संस्कृत वांगमय का बृहद् इतिहास, सप्तम- खण्ड, आधुनिक संस्कृत साहित्य का इतिहास, प्रधान सम्पादक- आचार्य बलदेव उपाध्याय, सम्पादक- डॉ जगन्नाथ पाठक, उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ ।
7. आधुनिक संस्कृत साहित्य में सामाजिक चेतना, प्रो दीप्ति शर्मा त्रिपाठी,विद्यानिधि प्रकाशन दिल्ली

This course can be opted as an elective/ value added course by the students of following subjects: Open for all सभी के लिए उपलब्ध - .....

Suggested Continuous Evaluation Methods:

प्रस्तावित सतत- मूल्याङ्कन

(क) लिखितपरीक्षा 10 अङ्क

(ख) काव्यस्य सस्वर शुद्ध उच्चारण (भावार्थ सहित) 15 अङ्क

अथवा

अधिन्यास (असाइनमेंट) एवं मौखिकी

Course prerequisites: सभी के लिए उपलब्ध सर्वेषां कृते.....

Suggested equivalent online courses: .....

Further Suggestions: .....

Programme/Class : FYUGP	B.A Honours with Research वर्षम् - चतुर्थम्	Semester: VIII सत्रम् - अष्टमम्
Subject: संस्कृतम्		
Course Code: 0810265	Course Title: बृहद्-शोधपरियोजना (सप्तमसत्रस्य पंचमप्रश्नपत्रे कृतस्य कार्यानुवर्तनम्)	Practical

Course outcomes:

अधिगम- उपलब्धय:

1. विद्यार्थिषु शोधपरा दृष्टिः विकसिष्यति ।
2. शोधकार्यं प्रति छात्राणां रुचिर्जागरिष्यति ।
3. शोधस्य अनन्ताभिः संभावनाभिः परिचिताः भविष्यन्ति ।
4. शोधकार्यं प्रति आत्मविश्वास आगमिष्यति विद्यार्थिषु ।
5. उत्तमानुसंधानकार्यस्य विविधाभि: विधाभि: सुपरिचिता: भूय उत्कृष्टशोधे संलग्ना: भविष्यन्ति ।

Credits: 4	Optional
Max. Marks: 100	Min. Passing Marks: 40

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P: 4-0-0 or 3-1-0 Etc.

Unit	Topics	No. of Lectures Total - 60
I.	परियोजनात्मकं कार्यम्/सर्वेक्षणम्/आधारभूत-सामग्रीसंग्रहणम् /पुस्तकसमीक्षायानुवर्तनम् ।	60

Teaching Learning Process: Lectures, Class Discussions, Power-point Presentations, Class Activities/Assignments, etc.

Suggested Readings:

संस्तुत-ग्रन्था:

1. शोधस्वरूप एवं मानक व्यावहारिक कार्यविधि, बैजनाथ सिंघल वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
2. अनुसन्धान का विवेचन, उदय भानु सिंह ।
3. शोध-प्रविधि, विनय मोहन शर्मा ।
4. शोध -प्रक्रिया और विवरणिका, सावित्री सिन्हा व विजयेंद्र स्नातक ।
5. अनुसन्धान के मूलतत्त्व, उदय भानु सिंह ।

This course can be opted as an elective/ value added course by the students of following subjects: Open for all सभी के लिए उपलब्ध .....
Suggested Continuous Evaluation Methods: **प्रस्तावित सतत-मूल्याङ्कन** - **(क)** परियोजनात्मककार्य/सर्वेक्षण/आधारभूत सामग्री संग्रहण/पुस्तक-समीक्षा 100 अङ्क
Course prerequisites: सभी के लिए उपलब्ध .....
Suggested equivalent online courses: .....
Further Suggestions: .....

Programme/Class: UG व्यावसायिक पाठ्यक्रम (Vocational Course)	Year:	Semester:
Subject: संस्कृतम्		
NEP Code - V0001034 Course Code: 0090134	Course Title: योग, आयुर्वेद, वर्णोच्चारण-शिक्षा एवं सूक्तियाँ (सामान्य परिचयात्मक)	Theory

Course outcomes:

अधिगम उपलब्धय:

1. भारतीय प्राच्यज्ञान की अद्भुत देन योग एवं आयुर्वेद से लाभान्वित होंगे।
2. योग का तथ्यरक एवं प्रायोगिक ज्ञान दैनिक जीवन में उपयोगी सिद्ध होगा।
3. रोगनिवारण एवं स्वास्थ्यसंरक्षण द्वारा स्वस्थ समाज का निर्माण होगा।
4. वर्णोच्चारण का शिक्षण भाषा की उच्चारणसम्बन्धी शुद्धता का संवाहक होगा।
5. संस्कृत - सूक्तियों का पठन-पाठन जीवन में नैतिक तथा चारित्रिक मूल्यों का आधान करेगा।

Credits: 4	Core Compulsory
Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks: 33

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P: 4-0-0 or 3-1-0 Etc.

Unit	Topics	No. of Lectures व्याख्यान सङ्ख्या
I	योग का सामान्य परिचय, अर्थ, परिभाषा एवं इतिहास, योग के प्रकार, योग की उपयोगिता। मिताहार एवं पथ्य-अपथ्य, योगाभ्यास हेतु समय, वातावरण। योग के साधक-बाधक तत्त्व, योग-सिद्धि के लक्षण। हठप्रदीपिका के अनुसार षट्कर्मों एवं आसनों का परिचय, लाभ एवं सावधानियाँ।	15
II	स्वर-परिचय, इडा, पिङ्गला एवं सुषुम्ना स्वर - आधारित करणीय-अकरणीय कर्म। प्राणायाम की परिभाषा, हठप्रदीपिका के अनुसार प्राणायामों की विधि, लाभ एवं सावधानियाँ। पातञ्जलयोग सूत्र का परिचय, अष्टाङ्गयोग के अंतर्गत यम-नियम का स्वरूप। अष्टाङ्गयोग के अंतर्गत आसन-प्राणायाम की अवधारणा, प्रत्याहार एवं धारणा का स्वरूप। अष्टाङ्गयोग के अन्तर्गत ध्यान एवं समाधि का स्वरूप।	15
III	आयुर्वेद का परिचय एवं मूलभूत सिद्धान्त। दिनचर्या, ऋतुचर्या एवं सद्वृत्त का स्वास्थ्य - संरक्षण में महत्त्व। मानव शरीर के प्रमुख अवयव, उनकी रचना एवं क्रिया का परिचयात्मक ज्ञान। व्यक्तिगत एवं सामाजिक स्वास्थ्य-	15

	संवर्धन के नियम। घरों एवं उनके आसपास पायी जाने वाली औषधियों का सामान्य परिचय।	
IV	चिकित्सा में प्रयोग होने वाली विभिन्न औषधियों के निर्माण सम्बन्धी सामान्य- परिचय | किशोरियों की स्वास्थ्य-सम्बन्धी सामान्य समस्याऐं एवं उनके बचाव के उपाय। आयुर्वेद में शल्य-कर्म का परिचय। आयुर्वेदीय चिकित्सा के सामान्य सिद्धान्तों का परिचयात्मक ज्ञान। पञ्चकर्म चिकित्सा का परिचयात्मक-ज्ञान।	15
V	जीवनोपयोगी सूक्तियाँ - भद्रं कर्णेभिः शृणुयाम। ऋग्वेद 1.89.8 यद् भद्रं तन्न आ सुव। ऋग्वेद 5.82.5. तन्मे मनः शिवसंकल्पमस्तु। यजुर्वेद 34.1 मित्रस्य चक्षुषा भूतानि समीक्षे। यजुर्वेद 36.18 पश्येम शरदः शतम्। यजुर्वेद 36.24 एकं सद्विप्रा बहुधा वदन्ति। ऋग्वेद 1.164.46 आचारप्रभवो धर्मः। अनुशासन पर्व 149.137 अद्भिर्गात्राणि शुध्यन्ति मनः सत्येन शुध्यति। विद्यातपोभ्यां भूतात्मा बुद्धिर्ज्ञानेन शुध्यति॥ (मनु 5/109) अन्नदानं परं दानं विद्यादानमतः परम्। न्नेन क्षणिका तृप्तिर्यावज्जीवं च विद्यया॥ (सुरभा - 158/217) अन्यायोपार्जितं द्रव्यं दश वर्षाणि तिष्ठति। प्राप्ते चैकादशे वर्षे समूलं च विनश्यति॥ (चा नीतिः - 15/6) अभिवादनशीलस्य नित्यं वृध्दोपसेविनः। चत्वारि तस्य वर्धन्ते आयुर्विद्या यशो बलम्॥ (मनु 2/121) अभ्यासेन क्रियाः सर्वाः अभ्यासात् सकलाः कलाः। अभ्यासाद् ध्यानमौनादि किमभ्यासस्य दुष्करम्॥ (हठयोगप्रदीपिका)	15

अमन्त्रमक्षरं नास्ति नास्ति मूलमनौषधम् ।
अयोग्यः पुरुषो नास्ति योजकस्तत्र दुर्लभः ॥ (सुर भा - 156/158)

अयं निजः परो वेति गणना लघुचेतसाम् ।
उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ (सुरभा - 70/1)

अर्थनाशं मनस्तापं गृहे दुश्चरितानि च ।
वञ्चनं चापमानं च मतिमान्न प्रकाशयेत् ॥ (चाणक्य नीतिः - 7/9)

अलसस्य कुतो विद्या अविद्यस्य कुतो धनम् ।
अधनस्य कुतो मित्रम् अमित्रस्य कुतः सुखम् ॥ (सुरभा-160/320)

वृत्तिकं त्यजेद्देशं वृत्ति सोपद्रवां त्यजेत् ।
त्यजेन्मायाविनं मित्रं धनं प्राणाहरं त्यजेत् ॥ (सुरभा153/29)

आचारः कुलमाख्याति देशमाख्याति भाषणम् ।
संभ्रमः स्नेहमाख्याति वपुराख्याति भोजनम् ॥ (चाणक्य नीति 3/2)

काव्यशास्त्रविनोदेन कालो गच्छति धीमताम् ।
व्यसनेन च मूर्खाणां निद्रया कलहेन वा ॥ (सुरभा - 153/23)

कोऽतिभारः समर्थानां किं दूरं व्यवसायिनाम् ।
को विदेशः सविद्यानां कः परः प्रियवादिनाम् ॥ (चा नीति - 3/13)

क्षणशः कणशश्चैव विद्यामर्थं च साधयेत् ।
क्षणत्यागे कुतो विद्या कणत्यागे कुतो धनम् ॥ (सुरभा)

क्षमातुल्यं तपो नास्ति न सन्तोषात्परं सुखम् ।
न तृष्णायाः परो व्याधिर्न च धर्मो दयापरः ॥ (सुरभा- 166/600)

गच्छतस्स्खलनं क्वापि भवत्येव प्रमादतः ।
हसन्ति दुर्जनास्तत्र समादधति सज्जनाः ॥ (सुरभा

गते शोको न कर्तव्यो भवितव्यं न चिन्तयेत् ।
वर्तमानेन कालेन प्रवर्तन्ते विचक्षणाः ॥ (चा०नीति :- 13/2)

चक्षुः पूतं न्यसेत्पादं वस्त्रपूतं जलं पिबेत् ।
सत्यपूतां वदेद् वाचं मनःपूतं समाचरेत् ॥ (सुरभा - 156/141)

जलबिन्दुनिपातेन क्रमशः पूर्यते घटः ।
स हेतुः सर्वविद्यानां धर्मस्य च धनस्य च ॥ (चा नीतिः - 12/21)

त्यजेदेकं कुलस्यार्थे ग्रामस्यार्थे कुलं त्यजेत् ।
ग्रामं जनपदस्यार्थे ह्यात्माऽर्थे पृथिवीं त्यजेत् ॥ (चा नीतिः - 3/10)

ददाति प्रतिगृह्णाति गुह्यमाख्याति पृच्छति ।
भुङ्क्ते भोजयते चैव षड्विधं प्रीतिलक्षणम् ॥ (सुरभा- 159/269)

दुर्बलस्य बलं राजा बालानां रोदनं बलम् ।
बलं मूर्खस्य मौनित्वं चौराणामनृतं बलम् ॥ (सुरभा - 162/393)

दुर्लभ संस्कृतं वाक्यं दुर्लभः क्षेमकृत्सुतः ।
दुर्लभा सदृशी भार्या दुर्लभः स्वजनः प्रियः ॥ (सुरभा - 161/386)

देवे तीर्थे द्विजे मन्त्रे दैवज्ञे भेषजे गुरौ ।
यादृशी भावना यस्य सिद्धिर्भवति यादृशी ॥ (सुरभा - 168/668)

द्वाविमौ पुरुषौ लोके स्वर्गस्योपरि तिष्ठतः ।
प्रभुश्च क्षमया युक्तो दरिद्रश्च प्रदानवान् ॥ (सु रभा - 155/107)

धनिकः श्रोत्रियो राजा नदी वैद्यस्तु पञ्चमः ।
पञ्च यत्र न विद्यन्ते न तत्र दिवसं वसेत् ॥ (चा नीति - 1/9)

न कश्चित् कस्यचिन्मित्रं न कश्चित् कस्यचिद्रिपुः ।
व्यवहारेण जायन्ते मित्राणि रिपवस्तथा ॥ (सुरभा- 161/346)

न कश्चिदपि जानाति किं कस्य श्वो भविष्यति ।
अतः श्वः करणीयानि कुर्यादद्यैव बुद्धिमान् ॥ (सुरभा154/ 40)

न गणस्याग्रतो गच्छेत्सिद्धे कार्ये समं फलम् ।
यदि कार्यविपत्तिः स्यात् मुखरस्तत्र हन्यते ॥ (सुरभा-153/33)

न देवो विद्यते काष्ठे न पाषाणे न मृण्मये।
भावे हि विद्यते देवस्तस्माद्भावो हि कारणम्॥ (चा नीतिः 8/12)

पठतो नास्ति मूर्खत्वं जपतो नास्ति पातकम्।
मौनिनः कलहो नास्ति न भयं चास्ति जाग्रतः॥ (सुरभा - 153/5)

पदे पदे च रत्नानि योजने रसकूपिका।
भाग्यहीना न पश्यन्ति बहुरत्ना वसुन्धरा॥ (सुरभा- 160/311)

पिण्डे पिण्डे मतिर्भिन्ना कुण्डे कुण्डे नवं पयः।
जातौ जातौ नवाचारा नवा वाणी मुखे मुखे॥ (सुरभा - 159/265)

पुस्तकेषु च या विद्या परहस्तेषु यद्धनम्।
उत्पन्नेषु च कार्येषु न सा विद्या न तद्धनम्॥ (चा नीतिः - 16/20)

प्रथमे नार्जिता विद्या द्वितीये नार्जितं धनम्।
तृतीये नार्जितं पुण्यं चतुर्थे किं करिष्यति॥ (सुरभा - 169/419)

प्रियवाक्यप्रदानेन सर्वे तुष्यन्ति जन्तवः।
तस्मात्तदेव वक्तव्यं वचने का दरिद्रता॥ (चा नीतिः - 16/17)

मातृभक्त्या इहलोकं पितृभक्त्या तु मध्यमम्।
गुरुभक्त्या पराँल्लोकान् जयत्येव न संशयः॥ (मनु - 2/233)

यः पृष्ट्वा कुरुते कार्यं प्रष्टव्यान् स्वान् हितान् गुरून्।
न तस्य जायतेऽविद्या कस्मिंश्चिदपि कर्मणि॥ (सुरभा - 165/544)

यथा चित्तं तथा वाचः यथा वाचस्तथा क्रिया।
चित्ते वाचि क्रियायाञ्च साधूनामेकरूपता॥ (सुरभा-46/36)

युक्तियुक्तं प्रगृह्णीयाद् बालादपि विचक्षणः।
रवेरविषयं वस्तु किं न दीपः प्रकाशयेत्॥ (सुरभा- 153/25)

युवा वृद्धोऽतिवृद्धो वा व्याधितो दुर्बलोऽपि वा।

अभ्यासात् सिद्धिमाप्नोति सर्वकार्येष्वतन्द्रितः॥ (हठयोग - 1 /66)

रङ्कं करोति राजानं राजानं रङ्कमेव च ।
धनिनं निर्धनं चैव निर्धनं धनिनं विधिः ॥ (चा नीति :- 10/5)

राजपत्नी गुरोः पत्नी भ्रातृपत्नी तथैव च ।
पत्नीमाता स्वमाता च पञ्चैताः मातरः स्मृताः ॥ (सुरभा - 160/326)

लोभमूलानि पापानि रसमूलानि व्याधयः ।
इष्टमूलानि शोकानि त्रीणि त्यक्त्वा सुखी भव ॥ (सुरभा - 158/214)

विद्या मित्रं प्रवासेषु भार्या मित्रं गृहेषु च ।
व्याधितस्यौषधं मित्रं धर्मो मित्रं मृतस्य च ॥ (चा नीति:- 5/15)

विद्यार्थी सेवकः पान्थः क्षुधार्तो भयकातरः ।
भाण्डारी प्रतिहारी च सप्त सुप्तान् प्रबोधयेत् ॥ (चा नीति:- 9/6)

विद्वत्त्व च नृपत्वं च नैव तुल्यं कदाचन ।
स्वदेशे पूज्यते राजा विद्वान् सर्वत्र पूज्यते ॥ (सुरभा - 38/7)

शनैः पन्थाः शनैः कन्थाः शनैः पर्वतमस्तके |
शनैर्विद्या शनैर्वित्तं पञ्चैतानि शनैः शनैः ॥ (सुरभा156/126)

शीलं शौर्यमनालस्यं पाण्डित्यं मित्रसङ्ग्रहः ।
अचोरहरणीयानि पञ्चैतान्यक्षयो निधिः ॥ (सुरभा - 159/253)

षड् दोषाः पुरुषेणेह हातव्या भूतिमिच्छता ।
निद्रा तन्द्रा भयं क्रोधः आलस्यं दीर्घसूत्रता ॥ (विदुरनीतिः - 1 /83)

सम्पत् सरस्वती सत्यं संतानं सदनुग्रहः ।
सत्ता सुकृत् संभारः सकाराः सप्त दुर्लभाः ॥ (सुरभा-156/150)

सत्येन धार्यते पृथ्वी सत्येन तपते रविः ।
सत्येन वाति वायुश्च सर्वं सत्ये प्रतिष्ठितम् ॥ (चा नीति:- 5/19)

सद्भिरेव सहासीत सद्भिः कुर्वीत सङ्गतिम् ।
सद्भिर्विवादं मैत्रीं च नासद्भिः किञ्चिदाचरेत् ॥ (सुरभा- 153/3)

	सर्वनाशे समुत्पन्ने अर्धं त्यजति पण्डितः । अर्धेन कुरुते कार्यं सर्वनाशो न जायते ॥ (सुरभा 155/90) सुवर्णपुष्पितां पृथ्वीं विचिन्वन्ति त्रयो जनाः । शूरश्च कृतविद्यश्च यश्च जानाति सेवितुम् ॥ (सुरभा- 148/254) सेवितव्यो महावृक्षः फलच्छायासमन्वितः । यदि दैवात् फलं नास्ति छाया केन निवार्यते ॥ (सुरभा- 164/496) स्वभावेन हि तुष्यन्ति देवाः सत्पुरुषाः पिता । ज्ञातयस्त्वन्नपानाभ्यां वाक्यदानेन पण्डिताः ॥ (चा नीतिः- 13/3) हस्तस्य भूषणं दानं सत्यं कण्ठस्य भूषणम् । श्रोत्रस्य भूषणं शास्त्रं भूषणैः किं प्रयोजनम् ॥ (सुरभा- 159/291) ह्रीयते हि मतिस्तात हीनैः सह समागमात् । समैश्च समतामेति विशिष्टैश्च विशिष्टताम् ॥ (सुरभा- 86/9)	

Teaching Learning Process: lecture, Class discussions/ Powerpoint presentations, Class activities/ assignments, etc .....

Suggested Readings:

संस्तुत ग्रन्था:

1. पातञ्जलयोगदर्शनम्, पतञ्जलि - कृत योगसूत्र, व्यास - भाष्य, वाचस्पति मिश्र कृत तत्त्ववैशारदी एवं विज्ञानभिक्षु कृत योगवार्त्तिक सहित, (संपादक) नारायण मिश्र, भारतीय विद्या प्रकाशन, वाराणसी,
2. योगदर्शन, हरिकृष्णदास गोयन्दका, गीता प्रेस, गोरखपुर
3. पातञ्जलयोगदर्शनम्, सुरेशचंद श्रीवास्तव, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी हठप्रदीपिका, कैवल्य धाम, लोनावला, पुणे
4. प्राकृतिक आयुर्विज्ञान, राकेश जिन्दल, आरोग्य सेवा प्रकाशन, उमेश पार्क, मोदीनगर
5. यज्ञ-चिकित्सा, ब्रह्मवर्चस्, शांतिकुंज, हरिद्वार
6. योग तथा मानसिक स्वास्थ्य, पी.डी. मिश्र, रॉयल बुक कंपनी, लखनऊ
7. योग एवं स्वास्थ्य, पी. डी. मिश्र, रैपिडेक्स बुक्स, पुस्तक महल
8. आसन प्राणायाम मुद्राबन्ध - स्वामी सत्यानन्द सरस्वती, मुंगेर, बिहार
9. सूर्यकिरण चिकित्सा - विज्ञान, अमर जीत, खंडेलवाल प्रकाशन, जयपुर
10. नेचर क्योर फिलासफी एंड मेथड्स, पी.डी. मिश्र, उत्तरप्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ

11. चरक-संहिता, (सम्पा०) ब्रह्मानंद त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2005
12. अष्टाङ्गहृदयम्, वाग्भट, (सम्पा.) ब्रह्मानंद त्रिपाठी, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान दिल्ली, पुनर्मुद्रित 2014 आयुर्वेद का दर्शन क्रिया शरीर एवं स्वस्थवृत्त - ब्रह्मवर्चस
13. स्वस्थवृत्त - श्री रामहर्ष सिंह
14. आयुर्वेद के सिद्धान्त एवं उनकी उपादेयता - डॉ लक्ष्मीधर द्विवेदी
15. पदार्थ विज्ञान - डॉ योगेश चन्द्र मिश्र
16. अष्टाङ्गहृदयम् ऑफ वागभट्ट - डॉ कांजीवलोचन
17. अष्टाङ्ग संग्रह - डॉ (श्रीमती) शैलजा श्रीवास्तव (व्याख्याकार)
18. चरक संहिता - भाग 1 - श्री पं० काशीनाथ शास्त्री (हिन्दी व्याख्याकार)
19. आयुर्वेद का बृहद् - इतिहास, अत्रिदेव विद्यालङ्कार, हिन्दीसमिति, उत्तरप्रदेश शासन लखनऊ, द्वितीय संस्करण 1976
20. संस्कृत-वाङ्मय का बृहद्-इतिहास, बलदेव उपाध्याय, आयुर्वेद का इतिहास (सप्तदश-खण्ड), उत्तरप्रदेश-संस्कृत-संस्थान, लखनऊ 2006
21. आयुर्वेद का वैज्ञानिक इतिहास, आचार्य प्रियव्रत शर्मा, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
22. आयुर्वेद- इतिहास एवं परिचय, विद्याधर शुक्ल एवं रविदत्त त्रिपाठी, चौखम्बा, वाराणसी
23. संस्कृत साहित्य में आयुर्वेद, अतिदेव विद्यालङ्कार, भारतीय ज्ञानपीठ, काशी प्रथम संस्करण, 1956
24. लघुसिद्धान्त कौमुदी - मैमी व्याख्या, प्रथम भाग, भीमसेन शास्त्री, चौखम्बा प्रकाशन
25. वर्णध्वनि - विज्ञान - डॉ. ब्रह्मदेव विद्यालङ्कार, e-book on "aryamantavya.in"
26. सुभाषितानां भाषा - संस्कृतसम्वर्धनप्रतिष्ठानम्
27. सुभाषित रत्न भाण्डागार - काशीनाथ शर्मा, भारतीय विद्या संस्थान
28. सुभाषित रत्न भाण्डागार - नारायण राम आचार्य

This course can be opted as an elective/ value added course by the students of following subjects: सर्वेषां कृते .....

Suggested Continuous Evaluation Methods:

प्रस्तावित सतत मूल्याङ्कन-

(क) पाठ्यक्रम के विषयों पर आधारित अधिन्यास (assignment)	15 अङ्क
(ख) लिखित-परीक्षा (वस्तुनिष्ठ/लघु उत्तरीय)	10 अङ्क

Course prerequisites: **सभी के लिए उपलब्ध** .....

Suggested equivalent online courses: .....

Further Suggestions: .....

Programme/Class: UG कौशल विकास (Skill Development)	Year:	Semester:
NEP Code - V0001036	Subject: संस्कृतम्	
Course Code: 0090136	Course Title: सम्भाषण-संस्कृतम् (Spoken Sanskrit)	Theory

Course outcomes: 0090136

अधिगम उपलब्धय:

1. सरल एवं रुचिकर विधि 'संस्कृत कठिन है' इस प्रवाद के निवारण में सहायक होगी।
2. संस्कृत को विषय के रूप में चुनने के लिए उद्यत हो सकेंगे।
3. संस्कृत-सम्भाषण भाषा और संस्कृति के प्रति स्वाभिमान उत्पन्न करेगा।
4. भारत की आत्मा अध्यात्म को समझने में यह कोर्स सहायक होगा।

Credits: 4	Core Compulsory
Max. Marks: 100	Min. Passing Marks: 33

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P: 4-0-0 or 3-1-0 Etc.

Unit	Topics	No. of Lectures व्याख्यान सङ्ख्या
I	गीतम् - पठत संस्कृतम्..... । मम नाम - भवतः नाम किम् ? भवत्याः नाम किम् ? द्वयोः मध्ये परिचयः । परस्परं पञ्च जनान ।सः कः? सा का? तत् किम् ? एषः, एषा, एतत्। अहम्, भवान् भवती..... अभिनयः । आम्, न, वा/किम्.. अभिनयः । अस्ति, नास्ति..... अभिनयः । अत्र, तत्र, कुत्र, सर्वत्र, अन्यत्र, एकत्र अभिनयः । षष्ठी तस्य, एतस्य कस्य, तस्याः, एतस्याः, कस्याः, मम, भवतः, अभिनयः । मम नासिका, भवतः नासिका, भवत्याः नासिका। एतत् कस्य? अङ्गानि प्रदर्श्य प्रश्नः । दशरथस्य..., सीतायाः..., लेखन्याः..., पुस्तकस्य... । स्फोरकपत्रस्य (Flash Card) उपयोगः करणीयः । 'पुत्रः' 'पतिः' इत्यादीनां वाक्यपत्राणाम् (Charts) उपयोगः करणीयः । आवश्यकम्, मास्तु, पर्याप्तम्, धन्यवादः, स्वागतम्। पूर्वनिश्चितसम्भाषणप्रदर्शनम् । क्रियापदानां पाठनम् - गच्छति । आगच्छति । पठति । लिखति । खादति । पिबति । क्रीडति । वदति । उत्तिष्ठति । उपविशति । गच्छामि । आगच्छामि..... । गच्छतु । आगच्छतु..... । सङ्ख्याः - (अ) 1, 2, 3, 4, 10 (आ) 10, 20, 30,..... 100 । समयः - 5.00, 5.15, 5.30, 4.45 । कथा गतानुगतिको लोकः । (काचित् कथा सरलया भाषया वक्तव्या) । रटनाभ्यासः	15

	(पूर्वमेव लिखितानि पठितानि च कानिचित् वाक्यानि वाचनीयानि)। एकं वाक्यम् (प्रत्येकं छात्रः एकं वाक्यं वदेत्।)	
II	शब्देषु लिङ्गभेदज्ञापनम् - यथा सः सुधाखण्डः, सा कुञ्चिका, तत् पुष्पम्। बहुवचनपाठनम् - बालका....., बालिका...., लेखन्यः..., पुस्तकानि ...। ते, के, ताः, काः, तानि, कानि, एते, एताः, एतानि भवन्तः, भवत्यः, वयम्। (चित्राणि उपयोक्तव्यानि।) वचनपरिवर्तनाभ्यासः। यथा सः बालकः - ते बालकाः। अस्ति - सन्ति। कति? सप्तमी - हस्ते। उत्पीठिकायाम्। लेखन्याम्। पुस्तके। (स्फोरकपत्रस्य प्रयोगः करणीयः।) वाक्यपत्रस्य उपयोगेन वाक्यानि वाचनीयानि। कदा? उत्तराणां प्रश्नाः। (शिक्षकः आरम्भे उत्तरं वदेत्, अनन्तरं छात्राः तस्य प्रश्नं पृच्छेयुः।) यथा - रामः प्रातःकाले शालां गच्छति। रामः कदा शालां गच्छति? अद्य, श्वः, परश्वः, प्रपरश्वः, ह्यः, परह्यः, प्रपरह्यः, इदानीम्। गच्छन्ति। गच्छामः। गच्छन्तु। शिष्टाचारः- सुप्रभातम्/नमस्कारः/शुभरात्रिः/हरिः ओम्/क्षम्यताम्/ चिन्ता मास्तु। प्रातर्विधिः - दन्तधावनम् इत्यादयः शब्दाः पाउनीयाः। सङ्ख्या 1-50। समयः 6.05, 6.10, 5.55, 5.50| स्वागतसम्भाषणम्। (शिक्षकः सहशिक्षकेण सह कृत्वा प्रदर्शयेत्) कथा। रटनाभ्यासः। वाक्यद्वयम् (प्रत्येकम् अपि छात्रः वाक्यद्वयं वदेत्।)	15
III	क्रियापदानां बहुवचनरूपाणि। गच्छन्ति-गच्छामः-गच्छन्तु (Chart दर्शनीयम्) पिबन्ति - पिबामः पिबन्तु। लिखन्ति लिखामः लिखन्तु। इत्यादिपरिवर्तनाभ्यासः कारणीयः। द्वितीयाविभक्तिः स्फोरकपत्राणाम् उपयोगः। (वाक्यपत्राणि उपयुज्य वाक्यानि वाचनीयानि।) कृपया ददातु - वस्तुनि प्रदर्श्य। शिक्षकः एकैकं वस्तु प्रदर्शयति। उदा. सन्थः, घटी, छात्राः - कृपया सन्थं ददातु, कृपया घटीं ददातु इत्यादि वदेयुः। (स्फोरकपत्रस्य उपयोगः) पुरतः, पृष्ठतः, वामतः, दक्षिणतः, उपरि, अधः। (चित्र दर्शनीयम्) इतः, ततः, ...तः, गृहतः, कुतः ? (स्फोरकपत्राणाम् उपयोगः) वाक्यपत्राणि उपयुज्य वाक्यानि वाचनीयानि। कथम्? सम्यक् | शीघ्रम् - मन्दम्। उच्चैः शनैः। पठनार्थम्, किमर्थम् ? सप्तककाराः - किम्, कुत्र, कति, कदा, कुतः, कथम्, किमर्थम् (Chart प्रदर्शनीयम्)। एकैकम् उपयुज्य परस्परं प्रश्नाः। अपि। अस्तु। अहं न जानामि। - कानिचन वाक्यानि। भूतकालीनक्रियापदानां पाठनम्। गतवान् - पठितवान् - लिखितवान्। गतवती - पठितवती - लिखितवती। क्रियापदकोष्ठकस्य	15

	प्रथमपृष्ठस्य अभ्यासः । द्वितीयपृष्ठस्य सर्वाणि क्रियापदानि उपयुज्य छात्राः वर्तमानकाले वाक्यानि वदन्ति । (ए.व - ब.व.) विशिष्टक्रियापदानाम् अभ्यासः - करोमि - कुर्मः । करोति - कुर्वन्ति । ददामि - दद्मः । ददाति - ददति । शृणोमि - शृणुमः । शृणोति - शृण्वन्ति । जानामि – जानीमः । जानाति - जानन्ति । सम्बोधनम् - भोः !, श्रीमन् !, मान्ये !, भगिनि !, मित्र !, .. महोदय !, राम !, सीते ! इत्यादि । सङ्ख्या - 1-100 समयः 1.00, 2.00, 3.00, 4.00 । सम्भाषणप्रदर्शनम् (मित्रसंलापः) । कथा । वाक्यत्रयम् एकैकोऽपि छात्रः वदेत् ।	
IV	अतः, इति, अस्मि, यदि -तर्हि, यथा - तथा, तः - पर्यन्तम् (वाक्यपत्रस्य उपयोगेन वाक्यानि वाचनीयानि ।) अद्य आरभ्य कृते (वाक्यपत्रस्य उपयोगः करणीयः) क्तवतुप्रत्ययान्तानाम् अभ्यासः गतवान् - पठितवान् - लिखितवान् (ए.व. पुंलिङ्गे) । गतवती - पठितवती - लिखितवती (ए.व. स्त्रीलिङ्गे) । गतवन्तः - पठितवन्तः - लिखितवन्तः (ब.व. पुंलिङ्गे) । गतवत्यः - पठितवत्यः - लिखितवत्यः (ब.व. स्त्रीलिङ्गे) । सः गतवान् - सा गतवती - लिङ्गपरिवर्तनाभ्यासः । अहं गतवान् - अहं गतवती - लिङ्गपरिवर्तनाभ्यासः । क्रियापदानां कालपरिवर्तनाभ्यासः । यथा - गच्छति - गतवान्, गतवती । विशेषपाठनम् आसीत्, आसन्, आसम् । एकः, एका, एकम् - लिङ्गभेदः ज्ञापनीयः । (स्फोरकपत्रस्य उपयोगः) भोजनसम्बन्धिशब्दाः यथा - सूपः, शाकम्, इत्यदयः । सङ्ख्या । समयः । ॐ – सङ्ख्याक्रीडा | कथा | सम्भाषणप्रदर्शनम् । चत्वारि वाक्यानि । वाहनानां नामानि । तृतीयाविभक्तिः - दण्डेन, मापिकया, लेखन्या, पुष्पेण । (वाक्यपत्रस्य आधारेण वाक्यानि वाचनीयानि ।) सह, विना । अद्यतन, ह्यस्तन, श्वस्तन, पूर्वतन, इदानीन्तन भविष्यत्कालीनक्रियापदानां पाठनम् । गमिष्यति, पठिष्यति, लेखिष्यति । (कोष्ठकस्य साहाय्येन) गत, आगामि । अभवत् । क्व प्रयोगः (कोष्टकस्य साहाय्येन) । यदा तदा । बन्धुवाचकशब्दाः । वेशभूषणानां नामानि । वर्णाः । रुचयः । क्रीडा- एक श्वासेन सङ्ख्याकथनम् । कथा । पञ्च वाक्यानि ।	15
V	वारम् । यतः परिवर्तनाभ्यासः । यद्यपि, तथापि । यत्र तत्र । कति कियत् एतयोः भेदज्ञापनम् । वारम् । अतः यावत्, तावत् । यत्, तत् । यः सः । या, सा । अस्माकम् । चर्चा । सङ्ख्या 'शतायुः गतायुः क्रीडा । विनोदकणिकाकथनम् । कथा । अष्ट वाक्यानि । चित् । ..... द्वयम् । (पुस्तकद्वयम्, बालकद्वयम्) सङ्ख्यासु लिङ्गभेदः । एकः एका - एकम् द्वयम् - द्वयम् - द्वयम् त्रयः - तिस्रः - त्रीणि, चत्वारः - चतस्रः - चत्वारि	15

	शिक्षकः- अहं वैद्यः - मम नाम सुरेशः (छात्राः तमुद्दिश्य प्रश्नान् पृच्छेयुः ।) अर्थम् (समाजार्थम्, संस्कृतकार्यार्थम्...)। तव्यत् - अनीयर्। अनन्त्यकथारचना। सङ्ख्यान्वेषणम् (क्रीडा)। छातैः सह प्रश्नोत्तरम्। समाजनिधिविषये पुनःस्मारणम्। पत्रलेखनम्। दूरवाणीसम्भाषणम्। मार्गनिर्देशः गन्तव्यम् इत्यादि। तव्यत् अभ्यासार्थम् - अद्य किं किं करणीयम् ? सान्दर्भिक भाषणम् - 1. प्रवासात् प्रतिनिवर्तनस्य। 2. आपणिकस्य इत्यादि। क्रीडा - सङ्ख्यायोजनम् (गणद्वये)। शुभाशयाः। असत्यकथनम्/कल्पनाकथनम्। पत्राचारप्रगत-शिक्षणादिविषये सूचना।	

Teaching Learning Process: lecture, Class discussions/ Powerpoint presentations, Class activities/ assignments, etc.....

Suggested Readings:

संस्तुत ग्रन्थाः

29. अभ्यासपुस्तकम् - संस्कृतभारती, बंगलुरू

30. सुभाषितानां भाषा - संस्कृतसम्वर्धनप्रतिष्ठानम्

31. सुभाषित रत्न भाण्डागार - काशीनाथ शर्मा, भारतीय विद्या संस्थान

32. सुभाषित रत्न भाण्डागार - नारायण राम आचार्य

This course can be opted as an elective/ value added course by the students of following subjects: सर्वेषां कृते .....

Suggested Continuous Evaluation Methods:

प्रस्तावित सतत मूल्याङ्कन-

(क) पाठ्यक्रम के विषयों पर आधारित अधिन्यास (assignment) 15 अङ्क

(ख) लिखित-परीक्षा (वस्तुनिष्ठ/लघु-उत्तरीय) 10 अङ्क

Course prerequisites: सभी के लिए उपलब्ध .....

Suggested equivalent online courses: .....

Further Suggestions: .....